सूविचार

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 45 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रुपये | भोपाल, गुरुवार 14 मई 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

लाड़ली बहनों के खातों में पहुंचे 1835 करोड़ रुपये, सीएम मोहन बोले-

नरसिंहपुर को किसी की नजर न लगे

भोपाल। डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में आयोजित कार्यक्रम में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किस्त जारी की। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 महिलाओं के बैंक खातों में 1835 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की। इसके साथ ही उन्होंने 296 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 40 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्पवर्षा की, गौ-पूजन किया और विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

उन्होंने लाठी कला दिखा रहे एक बच्चे को गोद में लेकर दुलार किया और स्वयं भी लाठी घुमाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने नरसिंहपुर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों पर आधारित कैलेंडर का विमोचन भी किया तथा मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और प्रशस्ति पत्र वितरित किए।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान नरसिंह के नाम पर बसा नरसिंहपुर जिला अद्भुत है। यहां के विकास कार्यों को देखकर लगता है कि कहीं नरसिंहपुर को किसी की नजर न लग जाए। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से अब तक बहनों के खातों में हजारों करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को राजनीति, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार लगातार अवसर दे रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लाखों महिलाओं को स्वरोजगार, कृषि और पशुपालन से जोड़ा गया है। सरकार महिलाओं को उद्योग लगाने और रोजगार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एआई, कंप्यूटर और तकनीकी क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने किसानों के हितों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों का दाना-दाना खरीदेगी और उड़द पर 600 रुपये बोनस भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश में सबसे ज्यादा गेहूं खरीदने वाले राज्यों में शामिल है। उन्होंने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पानी की हर बूंद बचाना जरूरी है और इसी उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम की है और मंत्रियों से भी ऐसा करने को कहा गया है। उन्होंने लोगों से डीजल, पेट्रोल और संसाधनों के संयमित उपयोग की अपील की।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि आज 296 करोड़ 40 लाख की लागत के 40 विकास कार्यों की सौगात नरसिंहपुर को मिली है। जिसमें 215.65 करोड़ लागत के 17 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 80.68 करोड़ की लागत से 23 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। क्षेत्र को 7 नए पुलों के भूमि-पूजन की सौगात भी मिली है। नर्मदा नदी पर एक नए पुल का निर्माण किया जाएगा। नल से जल योजना के अंतर्गत भी लाभ मिल रहा है। एनटीपीसी के पास आरओबी और 100 बेड के अस्पताल का लोकार्पण किया गया है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। पानी की बूंद-बूंद बचाने के लिए हम सभी संकल्प लें। गोटेगांव क्षेत्र के एक मालगुजार परिवार ने विशाल सरोवर निर्माण के लिए अपनी 21 एकड़ भूमि दान की है। यह प्रशंसनीय कदम है। ऐसे दानवीर को भोपाल के सार्वजनिक कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहवीर योजना में अच्छा कार्य करने पर नरसिंहपुर जिले की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि सड़क हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले को राज्य सरकार 25 हजार राशि देकर पुरस्कृत करेगी। साथ ही अस्पताल में घायल का डेढ़ लाख रुपए का इलाज मुफ्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम विजय ने ज्योतिषी ओएसडी को पद से हटाया: कल ही जिम्मेदारी दी

चेन्नई। तमिलनाडु में फ्लोर टेस्ट पास करने के कुछ घंटे बाद ही मुख्यमंत्री विजय ने ज्योतिषी राधन पंडित को स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर (ओएसडी) पद से हटा दिया। विजय ने मंगलवार को उन्हें यह जिम्मेदारी दी थी, लेकिन विपक्ष और सहयोगी पार्टियों के विरोध के बाद उन्हें हटा दिया। बात दें कि राधन लंबे समय से विजय के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने विजय के मुख्यमंत्री बनने की भविष्यवाणी की थी। उनकी सलाह पर ही 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण का समय बदला था। राधन ज्योतिषी होने के साथ टीवीके के प्रवक्त । रहे हैं। टीवीके की सहयोगी पार्टी एमजेके के प्रमुख थमीमुन अंसारी ने कहा कि निजी तौर पर कोई ज्योतिष में विश्वास रखता है,तब यह उसकी पसंद हो सकती है, लेकिन तमिलनाडू सरकार में ज्योतिष नहीं आना चाहिए। वहीं डीएमडीके महासचिव और विधायक प्रेमलता विजयकांत ने भी एक ज्योतिषी को मुख्यमंत्री का ओएसडी बनाए जाने को निंदनीय बताया है। चुनाव से पहले राधन ने कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में विजय की कुंडली को सुनामी जैसे' बताया था, यानी ऐसी कुंडली जो तमिलनाडु की राजनीति में बड़ी लहर ला सकता है। उनका कहना था कि टीवीके का नाम अंक ज्योतिष और ज्योतिषीय सिद्धांतों के हिसाब से विजय की कुंडली से मेल खाता है। राधन तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता के आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी रह चुके हैं। उनके पास ज्योतिष विद्या में करीब 40 साल से ज्यादा का अनुभव है।

पुंछ में एक आतंकी ढेर, किश्तवाड़ में आतंकी मददगार शिक्षक गिरफ्तार

पुंछ। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई लगातार जारी है। बुधवार को भारतीय सेना ने पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकी को ढेर कर दिया, जबकि एक अन्य घायल हुआ। ढेर हुए आतंकी के पास से आईईडी से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। इस बीच, सुरक्षा एजेंसियों ने किश्तवाड़ जिले से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और अन्य मदद पहुंचाने के आरोप में सरकारी स्कूल शिक्षक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है, जो इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में कार्यरत है। उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के मुताबिक, मशकूर चटरू इलाके में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। यह मामला 4 फरवरी 2026 को डिच्छर-चटरू में हुई मुठभेड़ से जुड़ा है, जिसमें आतंकी आदिल मारा गया था। जांच एजेंसियों को मशकूर के घर से जैश कमांडर सैफुल्लाह की तस्वीर मिली है, जिसमें उसे नोटों की माला पहनाई गई थी, जो उसके आतंकी संगठन से गहरे संबंधों की पुष्टि करती है। जैश कमांडर सैफुल्लाह भी 22 फरवरी 2026 को ऑपरेशन त्राशी-1 में दो विदेशी आतंकियों के साथ मारा गया था।

पीएम मोदी की अपील का असर, शाह और नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ी कम कीं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधी की है। उन्होंने यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद लिया है, जिसमें उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को देखकर पेट्रोल-डीजल बचत की अपील की थी। इसके पहले पीएम मोदी ने भी हाल ही में गुजरात और असम दौरे पर अपने काफिले को छोटा रखा था और केवल उन्हीं गाड़ियों को शामिल किया, जो सुरक्षा के लिहाज से ज़रूरी थीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां भी संभव हो, काफिले में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल करे। वहीं, दिल्ली में मंत्री आशीष सूद कार्यक्रम में जाने के लिए पहले मेट्रो और फिर ई-रिक्शा में बैठे। मध्य प्रदेश में जस्टिस डीडी बंसल साइकिल चलाकर हाईकोर्ट पहुंचे। वहीं, सीएम मोहन यादव ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटा दी है। उधर, उत्तरप्रदेश में सांसद-विधायकों को एक दिन बस-मेट्रो से चलने का आदेश दिया गया है। राज्य में जितने भी बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस हैं, वहां हफ्ते में 2 दिन वर्क फॉम होम होगा। इसके अलावा महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार ने विदेश यात्रा टालने का ऐलान किया।

सीबीएसई 12वीं का परिणाम घोषित 85.20 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा के नतीजे जारी किए हैं। इस वर्ष कुल 85.20 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो पिछले साल की तुलना में 3 प्रतिशत कम है। सीबीएसई बोर्ड ने कॉपियों की जांच के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का उपयोग किया था। छात्रों के लिए रिजल्ट चेक करने के कई तरीके उपलब्ध हैं। यदि इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या हो या सर्वर डाउन हो, तब छात्र एसएमएस भेजकर भी अपने विषयवार अंक प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डिजीलॉकर और उमंग एप्लिकेशन पर भी मार्कशीट उपलब्ध है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ऑनलाइन जारी किए गए सीबीएसई एग्जाम के स्कोर कार्ड केवल अनंतिम (प्रोविजनल) होगा। छात्रों को अपनी मूल मार्कशीट के लिए अपने संबंधित स्कूलों से संपर्क करना आवश्यक होगा।

सीबीएसई बोर्ड ने इस साल भी मैरिट लिस्ट जारी नहीं की है और न ही किसी टॉपर की घोषणा की है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट-हृदय गति रुकने से हुई प्रतीक यादव की मौत, फेफड़ों में जमे थे खून के थक्के, नीली पड़ी लाश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। 38 वर्षीय प्रतीक यादव अपनी फिटनेस को लेकर बेहद सतर्क रहते थे और प्रतिदिन जिम में घण्टों कसरत भी किया करते थे। लेकिन अचानक उनकी मौत होने पर प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम कराया। अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें मौत का असली कारण पता चला है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रतीक यादव की हृदय गति रुक गई थी। साथ ही उनके फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं में खून के थक्के जम गए थे। डाक्टरों के मुताबिक

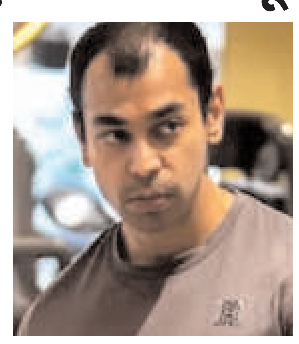

जिस वजह से उनको सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इस वजह से उनकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, उनके शरीर का रंग पूरी तरह से नीला पड़ चुका है। उनके शरीर का वजन काफी बढ़ गया था। इस वजह से उनके हार्ट और विसरा को सुरक्षित रख दिया गया है। प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह पल्मोनरी एम्बोलिज्म सामने आई है। जांच में पता चला कि शरीर में बना खून का थक्का फेफड़ों की धमनियों में जाकर फंस गया था। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार इस स्थिति को पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहा जाता है, जिसमें फेफड़ों तक खून और ऑक्सीजन का प्रवाह अचानक रुक जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, खून का बड़ा क्लॉट फेफड़ों की मुख्य धमनी में पहुंचने से सांस लेने की प्रक्रिया अचानक प्रभावित हुई। ऑक्सीजन की आपूर्ति रुकने से दिल के दाहिने हिस्से पर अत्यधिक दबाव पड़ा और कुछ ही मिनटों में हालत गंभीर हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि बड़े क्लॉट की वजह से अचानक सांसें थम गईं, जिससे प्रतीक यादव की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिवार और समर्थकों में शोक का माहौल है। इस बीच जानकारी मिली है कि प्रतीक यादव का उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) और हाइपरटेंशन के मरीज थे। कुछ दिन पहले उन्हें पल्मोनरी एम्बोलिज्म (फेफड़ों में ब्लड क्लॉट) की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस बीमारी में ब्लड क्लॉट फेफड़ों की धमनियों में जाकर रुक जाता है, जिससे हृदय का कार्य प्रभावित हो जाता है।

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट रखी पास, नंदीग्राम छोड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार को नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम सीट छोड़ने का फैसला किया। सुवेंदु ने भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को हराया है। शपथ लेने के बाद सीएम सुवेंदु ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ अपनी पहली बैठक की। इसमें निर्देश दिया कि राज्य में सभी धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होगा। नियम नहीं मानने पर हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं भाजपा सांसद राहुल सिन्हा ने कहा लाउडस्पीकर पर रोक का आदेश ममता बनर्जी की सरकार के दौरान हाईकोर्ट ने दिया था, लेकिन ममता की सरकार में धार्मिक गतिविधियों के लिए माइक पर कोई रोक नहीं थी। बंगाल सरकार ने महिला सुरक्षा और राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा, गुंडागर्दी व रंगदारी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया है। महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध, खासकर 2021 और 2024 के चुनाव के बाद दर्ज हुए रेप, रेप के प्रयास और छेड़छाड़ के मामलों को फिर से खोला जाएगा।

एनटीए को हटाकर नई पारदर्शी, मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए

नीट मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, एफएआईएमए ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और बड़े सुधारों की मांग की है। एफएआईएमए ने कहा कि पिछले कुछ समय से नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। खासकर पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों और पारदर्शिता की कमी जैसी

शिकायतों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसी वजह से संगठन ने मांग की है कि नीट यूजी 2026 की पूरी प्रक्रिया को या तो दोबारा कराया जाए या फिर इसे न्यायिक निगरानी में कराया जाए, ताकि निष्पक्षता बनी रहे।

याचिका में सबसे बड़ा मुद्दा एनटीए को लेकर उठाया। एफएआईएमए ने कहा कि पिछले कुछ सालों में एनटीए की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसलिए या तो इसे पूरी तरह हटाया जाए या फिर इसका पुनर्गठन करके एक नई, ज्यादा पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए।

पटना में बिजली गिरने से 8 की मौत, 19 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार में दोहरे मौसम की लोग मार झेल रहे हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है। इसे लेकर 19 जिलों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कटिहार में मंगलवार रात से मूसलाधार बारिश हो रही है। कई इलाकों में पानी भर गया है। पटना मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों तक राज्य में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। हवा भी चल सकती है। तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिरावट सकता है। बीते 24 घंटे में गयाजी, जहानाबाद, बांका समेत पांच जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, कैमूर का पारा एक बार फिर 41 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। इसके अलावा पटना में भी उमस भरी गर्मी से लोग परेशान नजर आए। जमुई में मंगलवार को आंधी-बारिश और बिजली गिरने से एक बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 4 लोग झुलस गए। बांका में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 36 साल की एक महिला की मौत हो गई। नवादा में तेज आंधी और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 पुरुष और एक महिला शामिल हैं। पटना में मौसम साफ रहने का अनुमान है, लेकिन गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना है।

कैबिनेट

मोदी कैबिनेट: एमएसपी को मंजूरी, पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन रेल परियोजना को हरी झंडी

नागपुर एयरपोर्ट इंटरनेशनल स्तर पर तैयार होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बुधवार को बुनियादी ढांचे और कृषि क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी फैसलों को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेसवार्ता में बताया कि केंद्र सरकार ने अहमदाबाद (सरखेज) से धोलेरा के बीच देश की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन रेल परियोजना को हरी झंडी दे दी है। करीब 20,667 करोड़ रुपये की लागत वाला यह प्रोजेक्ट न केवल सफर की रफ्तार बढ़ाएगा, बल्कि धोलेरा को भविष्य

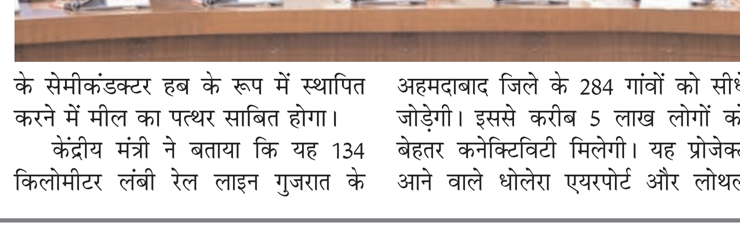

के सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह 134 किलोमीटर लंबी रेल लाइन गुजरात के अहमदाबाद जिले के 284 गांवों को सीधे जोड़ेगी। इससे करीब 5 लाख लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यह प्रोजेक्ट आने वाले धोलेरा एयरपोर्ट और लोथल मैरीटाइम कॉम्प्लेक्स को भी जोड़ेगा। सबसे खास बात यह है कि यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार होगा। इस प्रोजेक्ट से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि हर साल 0.48 करोड़ लीटर तेल की बचत भी होगी, जो पर्यावरण के लिए 10 लाख पेड़ लगाने के सामान होगा। मोदी सरकार ने साल 2026-27 के लिए खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिशों पर आधारित यह एमएसपी उत्पादन लागत से करीब 50 प्रतिशत अधिक रखी गई है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इससे किसानों को करीब 2.60 लाख करोड़ रुपये का भुगतान होगा। 824.41 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताकत देगा। मोदी कैबिनेट ने कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय वाली योजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि भारत के पास 200 साल का कोयला भंडार है, जिसका उपयोग अब गैस बनाने में किया जाएगा।

1 जुलाई से मध्यप्रदेश में लागू होगा 'वीबी-जी राम-जी अधिनियम'

अब ग्रामीण परिवारों को मिलेंगे 125 दिन रोजगार, मनरेगा की जगह लागू होगी नई तकनीक आधारित व्यवस्था

हरदा। मध्यप्रदेश में ग्रामीण रोजगार और विकास व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी राम-जी अधिनियम-2025 को प्रदेश में आगामी 1 जुलाई 2026 से लागू किया जाएगा। इसके लागू होते ही वर्तमान मनरेगा व्यवस्था समाप्त होकर नई तकनीक आधारित और उत्पादकता केंद्रित ग्रामीण रोजगार प्रणाली लागू होगी।

सरकार का दावा है कि यह केवल मजदूरी उपलब्ध कराने वाली योजना नहीं, बल्कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया ग्रामीण विकास का दीर्घकालिक मॉडल है। नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, अधोसंरचना और आजीविका गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

100 की जगह अब 125 दिन रोजगार

नई व्यवस्था के तहत ग्रामीण परिवारों के इच्छुक वयस्क सदस्यों को अब एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन के बजाय 125 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इससे गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक मजबूती को बल मिलेगा।

अधिनियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि तय समय सीमा में रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर श्रमिकों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इससे रोजगार गारंटी को कानूनी सुरक्षा मिलेगी और प्रशासनिक जवाबदेही भी तय होगी।

डीबीटी से होगा भुगतान, देरी पर मिलेगा मुआवजा

नई योजना में भुगतान व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाएगा। मजदूरी का भुगतान सीधे श्रमिकों के बैंक या डाकघर खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किया जाएगा।

यदि मजदूरी भुगतान में देरी होती है तो श्रमिकों को विलंब क्षतिपूर्ति देने का भी प्रावधान रहेगा। सरकार का मानना है कि इससे भ्रष्टाचार, बिचौलियों और भुगतान संबंधी अनियमितताओं पर रोक लगेगी।

जल संरक्षण और ग्रामीण अधोसंरचना पर रहेगा फोकस

अधिनियम के तहत केवल रोजगार देना ही उद्देश्य नहीं होगा, बल्कि गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

योजना में जल संरक्षण, जल सुरक्षा, ग्रामीण सड़क निर्माण, कृषि उपयोगी कार्य, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आजीविका आधारित संरचनाएं और मौसमीय चुनौतियों से निपटने वाले कार्यों को प्रमुखता दी जाएगी।

सरकार इसे पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक जैसी योजनाओं से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास का माध्यम बनाने की तैयारी कर रही है।

खेती प्रभावित न हो, इसलिए रहेगी 'विराम अवधि'

कृषि कार्यों पर असर न पड़े, इसके लिए अधिनियम में विशेष प्रावधान किया गया है। बुवाई और कटाई जैसे पीक सीजन के दौरान वर्ष में 60 दिनों की अवधि को विराम अवधि घोषित किया जाएगा।

इस दौरान रोजगार योजना के कार्य सीमित रखे जाएंगे ताकि किसानों को कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त मजदूर उपलब्ध हो सकें।

बायोमेट्रिक उपस्थिति और एआई आधारित निगरानी

नई व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता तकनीकी पारदर्शिता मानी जा रही है। योजना संचालन में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित उपस्थिति, रियल टाइम मॉनिटरिंग, डिजिटल डैशबोर्ड और एआई आधारित निगरानी तंत्र का उपयोग किया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इससे फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी उपस्थिति और भुगतान गड़बड़ियों जैसी शिकायतों में कमी आएगी तथा कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

ग्राम पंचायतों को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

नई व्यवस्था में ग्राम पंचायतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। पंचायतें स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करेंगी। साथ ही श्रमिकों का पंजीयन, रोजगार गारंटी कार्ड जारी करना और विकास कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगी।

ग्राम सभाओं को सामाजिक अंकेक्षण की जिम्मेदारी दी जाएगी, जबकि जनपद और जिला पंचायतें निगरानी एवं समन्वय का कार्य करेंगी।

प्रशासनिक तैयारियां शुरू

प्रदेश सरकार के अनुसार केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जल्द ही अधिनियम के नियम जारी किए जाएंगे। प्रशासनिक स्तर पर इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

अधिकारियों का कहना है कि नई व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा, पलायन कम होगा और गांवों में स्थायी विकास कार्यों को मजबूती मिलेगी।

विशेषज्ञ बोले- क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती

ग्रामीण विकास विशेषज्ञों का मानना है कि यदि योजना प्रभावी तरीके से लागू होती है तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार सुरक्षा और आधारभूत ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि योजना की सफलता पारदर्शिता, समय पर भुगतान, स्थानीय भागीदारी और मजबूत निगरानी व्यवस्था पर निर्भर करेगी।

कलेक्टर मैहर ने किया राशन दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण

पहले राशन प्राप्त करने फिर अंगूठा लगाने की दी सलाह

मैहर। जिले में शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न वितरण को लेकर कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने सोमवार को ग्राम हरदासपुर में उचित मूल्य की दुकान का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान हितग्राहियों से बातचीत करते हुए कहा कि खाद्यान्न का पारदर्शितापूर्वक वितरण किये जाने के लिए शासन द्वारा पीओएस मशीन में थम्ब इम्प्रेशन अंकित कर हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे सबसे पहले राशन प्राप्त करें, उसके बाद ही मशीन में अंगूठा लगाएं। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने पिछले दो माह से अंगूठा लगवाने के बावजूद उन्हें राशन नहीं दिये जाने की शिकायत भी की। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए दुकान संचालक दीपाली गर्ग को तत्काल बकाया राशन वितरण के सख्त निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने संबंधित आंगनवाड़ी केंद्रों में भी दो माह से लंबित खाद्य सामग्री को शीघ्र वितरित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि हितग्राही अपने अधिकारों को जाने और पारदशितापूर्ण तरीके से खाद्यान्न लें। खाद्यान्न वितरण में शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए उन्होंने एसडीएम मैहर को एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राही अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का तुरन्त निराकरण किया जाये। इसकी समीक्षा प्रत्येक बुधवार की टीएल में उनके द्वारा स्वयं की जायेगी। कलेक्टर ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रियंका अग्रवाल को निर्देशित किया कि जिले की सभी उचित मूल्य की दुकानों का सतत रूप से निरीक्षण कर बकाया राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी हितग्राही को परेशानी न हो।

शौर्य संकल्प योजना की फिजिकल स्क्रीनिंग 12-13 को

सतना। अन्य पिछडा वर्ग कल्याण विभाग की शौर्य संकल्प योजना संबंधी बैठक सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह और नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना की उपस्थिति में आयोजित की गई। सहायक संचालक पिछडा वर्ग केके शुक्ला ने बताया कि प्रशिक्षण योजना में चयनित बालक-बालिकाओं का फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट 12 और 13 मई को दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में दोपहर 3 बजे से होगा। योजना के तहत 100-100 बालक-बालिकाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा।

उत्कृष्ट कार्य पर कर्मचारियों को प्रोत्साहन, लापरवाही पर नोटिस

सतना। सोमवार को जिला पंचायत के सभागार में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बैठक लेकर ग्रामीण विकास विभाग की 300 दिवस और 500 दिवस से अधिक की पुरानी शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान तीन कर्मचारियों को लंबित 7 शिकायतों में से 6 शिकायतें त्वरित निराकरण करने पर प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित भी किया गया। इनमें जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान के ग्राम खगौरा के सचिव सुरेंद्र द्विवेदी, ग्राम रोजगार सहायक श्री करूणा सागर मिश्रा तथा सेक्टर सज्जनपुर के सब इंजीनियर प्रमोद शुक्ला के नाम शामिल है। इसी प्रकार अधिक दिवस से लंबित निराकरण में लापरवाही करने और अनुपस्थित रहने पर 20 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये है। सीईओ जिला पंचायत द्वारा लापरवाही बरतने पर जिन कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है। उनमें उचेहरा जनपद पंचायत के उपयंत्री राकेश ताम्रकार, बीपीओ शंकर प्रसाद गुप्ता, सचिव ज्ञानेन्द्र सिंह, सुशील गुप्ता और विनोद सिंह, सचिव पिपरी भरत सिंह, सचिव उमरिहा रमेश द्विवेदी, बमुरहिया सचिव रामसुजान कुशवाहा के नाम शामिल है। इसी प्रकार रामपुर बघेलान जनपद पंचायत में ब्लाक कोआर्डिनेटर ज्योति सोनी, लेख अधिकारी यशवंत सिंह, सचिव नेमुआ श्रीकांत मिश्रा, मझगवां जनपद पंचायत में बीपीओ छोटेलाल शुक्ला और सहायक ग्रेड-3 विनोद कुमार वर्मा शामिल है। इसी प्रकार जनपद पंचायत नागौद में बीपीओ बृजेन्द्र प्रताप सिंह, ब्लाक कोआर्डिनेटर आवास के केके सिंह सहित पंचायत सचिव कोनी रामविश्वास कोरी, नुनगरा के बाल गोविन्द पटेल, अकौना के उम्मीद द्विवेदी, सचिव बेलौंधा शैलेन्द्र सिंह और सचिव सूरजदीन ढीमर को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं।

देश में पहली बार ड्रोन एवं फायर रिटार्डेंट की मदद से एरियल फायर फाइटिंग का प्रायोगिक प्रयास

दक्षिण पन्ना वनमण्डल एवं राज्य वन अनुसंधान संस्थान द्वारा शाहनगर वन परिक्षेत्र में आधुनिक वन अग्नि प्रबंधन तकनीक का परीक्षण

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा वन अग्नि प्रबंधन हेतु एक अभिनव पहल करते हुए शाहनगर वन परिक्षेत्र में ड्रोन एवं फायर रिटार्डेंट मोनो अमोनियम फॉस्फेट आधारित मिश्रण की सहायता से एरियल फायर फाइटिंग का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। यह प्रयास देश में अपनी तरह के प्रारंभिक प्रयासों में से एक माना जा रहा है, जिसमें वनाग्नि नियंत्रण हेतु आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग किया गया। इस कार्य में दक्षिण पन्ना वनमण्डल के साथ राज्य वन अनुसंधान संस्थान का तकनीकी सहयोग भी प्राप्त हुआ।

ग्रीष्मकाल में दूरस्थ एवं दुर्गम वन क्षेत्रों में लगने वाली आग तक वन अमले का समय पर पहुंच पाना कई बार अत्यंत कठिन हो जाता है। कई परिस्थितियों में आग तीव्र होने पर वन कर्मचारियों को सीधे आग के समीप कार्य करना पड़ता है, जिससे उनके जीवन को गंभीर जोखिम उत्पन्न होता है। वर्तमान में अधिकांश वन अग्नियों को मैनुअल तरीकों जैसे फायर बीटिंग, काउंटर फायर एवं लीफ ब्लोअर आदि के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। ऐसे में ड्रोन अथवा हेलीकॉप्टर आधारित एरियल फायर फाइटिंग भविष्य में वन कर्मियों की सुरक्षा बढ़ाने, दुर्गम क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया देने तथा आग की प्रारंभिक अवस्था में नियंत्रण स्थापित करने का एक संभावित विकल्प बन सकता है।

प्रयोग के दौरान ड्रोन के माध्यम से वन क्षेत्र में 0.1 हेक्टेयर के स्थल पर मोनो अमोनियम फॉस्फेट आधारित फायर रिटार्डेंट का नियंत्रित छिड़काव किया गया। यह रसायन आग की तीव्रता एवं उसके प्रसार को कम करने में सहायक माना जाता है। इस पहल का उद्देश्य केवल तकनीकी प्रदर्शन तक सीमित न होकर इसकी व्यवहारिक उपयोगिता, लागत, प्रभावशीलता एवं संभावित पारिस्थितिक प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करना भी है। इसके अंतर्गत विभिन्न मौसमों में अनेक परीक्षण, फील्ड विजिट, अवलोकन एवं मिट्टी, जल एवं अन्य नमूनों का संग्रहण एवं विश्लेषण किया जाएगा, जिसके बाद ही इसकी वास्तविक प्रभावशीलता, आर्थिक व्यवहार्यता एवं पर्यावरणीय स्थिरता के संबंध में निष्कर्ष निकाले जाएंगे।

दक्षिण पन्ना वन विभाग द्वारा बताया गया कि यदि यह तकनीक वैज्ञानिक अध्ययन में व्यवहारिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से उपयुक्त पाई जाती है, तो भविष्य में इसका उपयोग दुर्गम वन क्षेत्रों, तीव्र वनाग्नि परिस्थितियों तथा संवेदनशील वन्यजीव आवासों में वन अग्नि प्रबंधन के लिए किया जा सकता है। वन विभाग का यह प्रयास वन अग्नि प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों के सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं उत्तरदायी उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अवैध तेंदूपत्ता तोड़ाई रोकने वन विभाग सक्रिय, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाई निगरानी

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान अवैध तुड़ाई एवं चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु रैपुरा रेंज में वन विभाग द्वारा लगातार सघन गश्त एवं वन भ्रमण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत वन अमले ने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर निगरानी की तथा ग्रामीणों एवं तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से जुड़े लोगों से संवाद स्थापित कर उन्हें कच्चे एवं अपरिपक्व तेंदूपत्ता न तोड़ने के लिए जागरूक किया। विभाग द्वारा समझाइश दी गई कि समय से पूर्व पत्ता तोड़ने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे शासन को आर्थिक क्षति होने के साथ स्थानीय संग्राहकों की आय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को निर्धारित समय एवं नियमों के अनुसार ही तेंदूपत्ता संग्रहण करने, अवैध तुड़ाई, भंडारण अथवा परिवहन की सूचना तत्काल विभाग को देने तथा जंगलों में आग से बचाव एवं वृक्षों को क्षति न पहुँचाने के संबंध में भी जागरूक किया। भ्रमण के दौरान पत्ता चोरी की एक घटना सामने आई, जिसमें एक व्यक्ति बोरी में तेंदूपत्ता भरकर ले जाता दिखाई दिया। वन विभाग की टीम को देखकर वह व्यक्ति मौके से भाग गया, जबकि घटनास्थल से तेंदूपत्ता जब्त कर लिया गया। विभाग द्वारा मामले की जानकारी संकलित कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

इस सघन गश्त एवं जनजागरूकता अभियान में परिक्षेत्र सहायक अशोक कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में बीट मलघन, सुर्रा, रैपुरा, जमुनिया, बड़ागांव, उत्तर जामुनदाद, दक्षिण जामुनदाद, रतनगांव एवं अधराड क्षेत्रों में सामूहिक गश्त की गई। अभियान में वनरक्षक सतीश द्विवेदी, कमल प्यासी, प्रेमशंकर ठाकुर, लक्ष्मीकांत तिवारी, सुमंत कुमार जगेत, अरविन्द सिंह, प्रमोद कुमार, संदीप तिवारी एवं सुरक्षा श्रमिक सक्रिय रूप से शामिल रहे। वन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि तेंदूपत्ता सीजन के दौरान वन क्षेत्रों में सतत निगरानी एवं गश्त जारी रखी जाएगी ताकि वन संपदा का संरक्षण एवं तेंदूपत्ता संग्रहण की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

श्रेष्ठ संस्कारों की जननी है मां : ब्रह्माकुमारी

नारी अपनी जिम्मेवारी को समझे : ब्रह्माकुमारी

पन्ना। ब्रह्माकुमारी विद्यालय पन्ना के द्वारा अमानगंज में मातृ दिवस पर एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया मां सुखी परिवार की आधारशिला, विषय पर संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि आज बहुत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि आज हम उस शक्ति,ममता और उस त्याग को प्रणाम करने के लिए एकत्रित हुए हैं जिसे हम मां कहते हैं, मां केवल एक शब्द नहीं है बल्कि प्रेम करुणा, त्याग और भगवान का जीवंत स्वरूप है संसार में यदि कोई बिना स्वार्थ के प्रेम करता है तो वह सिर्फ मां ही है, मां और मातृभूमि स्वर्ग से भी महान है एक सच्ची आदर्श मां बनाकर बच्चों की पालना के साथ-साथ उनमें श्रेष्ठ संस्कारों का सृजन करें क्योंकि मां चाहे तो बच्चों को बचपन से ही श्रेष्ठ संस्कार जो बड़े होकर वह अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकें, आज हर एक मां की जिम्मेवारी है कि वह अपने बच्चों में ऐसे श्रेष्ठ महान, पवित्र,दिव्य संस्कारों का बीजारोपण करें जिससे समाज में आज जो विकृतियों घटनाएं हो रही हैं उनको रोका जा सके हर नारी के ऊपर हर मां के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है इसलिए मां को भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है मां को गुरु की भी उपाधि दी गई है तो अपने स्वरूप को पहचान कर हम समाज को आदर्श समाज,मूल्यवान समाज बनाने में सहयोग प्रदान करें अपने परिवार को अपने बच्चों को श्रेष्ठ संस्कार आरोपित करने में अपना समय देकर बच्चों को आदर्शवान, चरित्रवान, व्यसन मुक्त बनाकर मूल्यवान समाज बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें आज सभी संकल्प करेंगे कि हम अपनी मां की भावनाओं को समझेंगे उनका सम्मान करेंगे यही सबसे बड़ा मां के लिए उपहार है।

आठ वर्ष में चार बार हुआ भूमिहीनों को पट्टा प्रदान करने का सर्वेक्षण

शासन की योजना में अधिकारियों ने लगाया पलीता, कई दशकों से पन्ना के विभिन्न वार्डों में निवासरत भूमिहीनों की टूटी आस

पन्ना। विगत दिवस 6 अप्रैल 2026 को कलेक्टर पन्ना ने नगरी निकायों के द्वारा भूमिहीनों को आवासीय पट्टा वितरण योजना की समीक्षा करते हुए सर्वेक्षण उपरांत पट्टा वितरण कार्यवाही के संबंध में दिशा-निर्देश तो ज़रूर दे दिए परंतु कौन से सर्वेक्षण के उपरांत के पट्टे वितरित किए जाएंगे यह भी उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। क्योंकि सूत्र बताते हैं कि नगर पन्ना में 2017-18 में भी सर्वेक्षण हुआ था जिसमें अनेक हितग्राही पट्टे हेतु पात्र पाये गए थे उसके बाद 2023 में सर्वेक्षण हुआ और सर्वे रिपोर्ट अनुविभागीय कार्यालय के द्वारा गुमा दी गई। इस दिशा में जुलाई 2025 में पुन: सर्वे हुआ मगर सर्वेक्षण के उपरांत उन्हें आज तक पट्टे नहीं मिले। इसके बाद 20 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की घोषणा के बाद जनवरी 2026 में भूमिहीनों का सर्वे प्रारंभ हुआ। लगभग 3000 आवेदन नगर पालिका परिषद पन्ना में जमा हुए। सर्वेक्षण उपरांत वार्ड क्रमांक 28 जनकपुर वार्ड के अंतर्गत गांधी ग्राम के 25 हितग्राही पात्र पाये गए जो 31 दिसंबर 2020 की गाइडलाइन में नहीं माने जा सकते क्योंकि वर्ष 2022 में ग्राम पंचायत जनकपुर को नगर पालिका परिषद पन्ना में सम्मिलित किया गया। अब प्रश्न उठता है कि शासन के नियम अनुसार कार्य नहीं हुआ फिर भी सर्वेक्षण उपरांत भूमिहीनों के लिए पट्टे वितरित होना है। उक्त पात्र-अपात्र सभी लोगों ने जिला प्रशासन से उक्त सर्वेक्षण के संबंध में स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।

बताते चलें कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना के पत्र क्रमांक 1071/रीडर/2023 पन्ना दिनांक 15 मार्च 2023 के संबंध में मध्य प्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन (पट्टाधृति के अधिकारों का प्रदान किया जाना) अधिनियम 1984 के अंतर्गत भूमि के पट्टे दिए जाने के परिपालन में सर्वे रिपोर्ट मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद पन्ना ने 07.07.2023 को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना को प्रेषित की जिसका पत्र क्रमांक 2434 रहा?। पट्टा सर्वे पत्रक के अनुसार वार्ड क्रमांक 01 में 42, वार्ड क्रमांक 03 में 17, वार्ड क्रमांक 11 में 03, वार्ड क्रमांक 13 में 33, वार्ड क्रमांक 17 में 42, वार्ड क्रमांक 23 में 07, वार्ड क्रमांक 24 में 22, वार्ड क्रमांक 25 में 07, वार्ड क्रमांक 27 में 32 एवं वार्ड क्रमांक 28 में 45 भूमिहीन हितग्राही पट्टे हेतु 2023 में पात्र पाए गए जिन्हें 2023 में ही पट्टे मिलना थे परन्तु नहीं मिले। इस दिशा में तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी दररो, उसके बाद तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी अवस्थी के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया। उसके बाद वर्तमान एसडीएम नागवंशी ने कुछ करना चाहा लेकिन उक्त रिपोर्ट गुम हो चुकी थी जिस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी के पत्र क्रमांक 2366 के मुताबिक 23.07.24 को अनुविभागीय अधिकारी श्री नागवंशी ने पुन: रिपोर्ट भेजने हेतु सीएमओ पन्ना को पत्र लिखा और सीएमओ ने विधिवत पत्राचारों के माध्यम से पुन: 2025 में सर्वेक्षण कार्य कराया जिसमें वार्ड प्रभारी सहित पटवारी ने बारीकी से सर्वे किया। लेकिन उक्त योजना अंतर्गत फिर भी उन्हें पट्टे नहीं मिले। फिर 2026 में ही ताजा सर्वे हुआ जिसमें वार्ड क्रमांक 28 जनकपुर वार्ड के अंतर्गत गांधी ग्राम के 25 हितग्राही पात्र पाए गए जबकि मुख्यमंत्री गाइडलाइन के अनुसार उक्त वार्ड वर्ष 2022 में बना तथा शहर के लगभग 3000 भूमिहीनों के आवेदन पक्षपात बरतते निरस्त कर दिए जबकि बताया गया कि 793 अपात्र पाये गए। इस तरह अधिकारियों द्वारा योजना में पर्दे पर पर्दा डालकर पलीता लगाया जा रहा और हक़दार हो रहे परेशान जिससे जनता का विश्वास शासन-प्रशासन पर से उठने लगा है।

बैरसिया में कांग्रेस जन न्याय सत्याग्रह शुरू

» बस स्टैंड चौराहे पर 25 घंटे का उपवास » जनता के अधिकारों, न्याय की लड़ाई में सदैव उनके साथ खड़े रहना हमारा कर्तव्य: जयवर्धन सिंह

प्रदीप कुमार

बैरसिया विधानसभा क्षेत्र में किसानों, मजदूरों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को 25 घंटे का जन न्याय सत्याग्रह उपवास शुरू किया जिसमें पुर्व मंत्री विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा की हम सड़क से लेकर सदन तक किसानों और आमजन के मुद्दों को लेकर जाएंगे हम जनता के अधिकारों, समस्याओं एवं न्याय की लड़ाई में सदैव उनके साथ खड़े रहना हमारा कर्तव्य है। वहीं प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने कहा की ये जन न्याय सत्याग्रह उपवास किसानों, मजदूरों और आम जनता से जुड़े जनहित के मुद्दों पर शासन प्रशासन का ध्यानाकर्षित कराना चाहता हूं हमारी प्रमुख मांगे है बैरसिया-भोपाल रोड को 6 लेन किया जाए, टूटी सड़कों और पार्वती पुल का शीघ्र निर्माण किया जाए गेहूं खरीदी में किसानों पर लग रहे दंड ब्याज को समाप्त किया जाए शासकीय कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार,अवैध शराब, गांजा और सट्टे के पर रोक लगाई जाए। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी मान सिंह पटेल ने कहा बैरसिया विधानसभा में आम जनता की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग और सरकार इन मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। पटेल ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के सरकारी विभागों, जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग,जल जीवन मिशन योजनाओं, तहसील कार्यालय,विकास कार्यों में व्यापक भ्रष्टाचार व्याप्त है लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। क्षेत्र की इन जनसमस्याओं और जनता के अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने के लिए आयोजित इस जन न्याय सत्याग्रह उपवास में जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी, सेवादल, ब्लॉक कांग्रेस, नगर कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एन.एस.यु.आई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सम्मिलित है।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर 14 को रवि मालवीय करेंगे पदभार ग्रहण, नहीं जाएगा काफिला, एक गाड़ी से भोपाल पहुंचकर संभालेंगे कार्यभार

विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज, भोपाल क्षेत्र- जिला सीहोर

भैरूंदा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अपील के अनुरूप मितव्ययता का पालन करते हुए मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रवि मालवीय आगामी 14 तारीख को पदभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया है कि पदभार ग्रहण के लिए कोई काफिला नहीं जाएगा। वे केवल एक गाड़ी से भोपाल पहुंचकर अपना कार्यभार संभालेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में सभी जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने तथा सादगी अपनाने की अपील की थी। इसी क्रम में नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रवि मालवीय ने वाहन रैली व काफिले से परहेज करते हुए उदाहरण प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में प्रत्येक नागरिक को ईंधन की बचत और सार्वजनिक संसाधनों के मितव्ययी उपयोग के लिए आगे आना चाहिए।

रेंजर बंगले में 10 लाख की चोरी या अंदरूनी साजिश? थाना सीमा विवाद, चौकीदारों की भूमिका और जांच पर उठे गंभीर सवाल

इटारसी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के तवा बफर रेंज स्थित रेंजर के शासकीय आवास में हुई लाखों रुपए की कथित चोरी अब महज एक सामान्य आपराधिक घटना नहीं रह गई है। मामला पुलिस के थाना क्षेत्र विवाद, संदिग्ध परिस्थितियों, हालिया नियुक्त कर्मचारियों और जांच की दिशा को लेकर उठ रहे सवालों के कारण लगातार चर्चा में बना हुआ है। चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने में हुई देरी और दो थानों के बीच जिम्मेदारी तय न हो पाने से भी पूरे घटनाक्रम पर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं।

अवकाश के दौरान हुई वारदात, लौटने पर बिखरा मिला सामान-जानकारी के अनुसार तवा बफर रेंज के रेंजर अमित चौहान 9 और 10 मई को अवकाश पर थे। इसी दौरान उनके शासकीय आवास का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने का दावा किया गया। वापस लौटने पर कमरे का सामान बिखरा मिला और अलमारी से लगभग 68 ग्राम का सोने का नेकलेस, 22 ग्राम की सोने की चेन, 75 हजार रुपए नकद, चांदी का गिलास और मोबाइल फोन गायब बताए गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपए आंकी जा रही है।

दो थानों के बीच उलझी एफआईआर, देर रात तक भटकता रहा फरियादी-घटना के बाद सबसे बड़ा विवाद क्षेत्राधिकार को लेकर सामने आया। पहले भौंरा चौकी ने घटनास्थल को केसला थाना क्षेत्र का मामला बताया, जबकि बाद में केसला पुलिस ने इसे शाहपुर थाना क्षेत्र में आने की बात कही। इसी असमंजस के चलते देर रात तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी और फरियादी को एक थाना से दूसरे थाना तक भटकना पड़ा।

फिलहाल भौंरा पुलिस चौकी में मामला जीरो पर कायम किया गया है, जिसके बाद संबंधित थाना क्षेत्र में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वर्ष 2022 में भी इसी आवास में हो चुकी है चोरी-यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसी शासकीय आवास में वर्ष 2022 में भी चोरी की घटना हो चुकी है। उस समय तत्कालीन रेंजर निशांत डोषी ने शाहपुर थाने में प्रकरण दर्ज कराया था। अब वर्तमान मामले में भी पुराने रिकॉर्ड और क्षेत्राधिकार को आधार बनाकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

हाल में नियुक्त चौकीदारों की भूमिका पर भी उठे सवाल-सूत्रों के अनुसार फरवरी और मार्च 2026 के दौरान तवा बफर क्षेत्र में 20 से अधिक चौकीदारों की नियुक्ति की गई थी। घटना के बाद अब इन कर्मचारियों के पुलिस एवं चरित्र सत्यापन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर मांग की जा रही है कि सभी कर्मचारियों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराया जाए।

चर्चा यह भी है कि जिस व्यक्ति को आवास की स्थिति, अधिकारी की अनुपस्थिति और परिसर की गतिविधियों की जानकारी थी, उसकी भूमिका की भी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। पुलिस सूत्र भी इनसाइड एंगल की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं कर रहे हैं।

कीमती जेवर घर में छोड़ने पर भी उठ रहे सवाल-घटना के बाद स्थानीय लोगों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि सामान्यत: अधिकारी या कर्मचारी लंबे अवकाश पर जाते समय सोने-चांदी के जेवर और कीमती सामान सुरक्षित स्थान पर रखते हैं। ऐसे में लाखों रुपए के जेवर सरकारी आवास में छोड़ना लोगों को असामान्य लग रहा है।

कई लोगों का कहना है कि पुलिस को चोरी गए बताए गए जेवरों के बिल, खरीद दस्तावेज और स्वामित्व संबंधी रिकॉर्ड का भी सत्यापन करना चाहिए, ताकि वास्तविक नुकसान की स्थिति स्पष्ट हो सके।

गृह जिले में पदस्थापना को लेकर भी चर्चा-मामले में रेंजर अमित चौहान की पदस्थापना को लेकर भी चर्चाएं सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि उनका मूल निवास नर्मदापुरम जिला है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या गृह जिले में पदस्थापना संबंधी नियमों और प्रावधानों का पालन किया गया था या नहीं। हालांकि इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तकनीकी और बहुस्तरीय जांच की मांग-स्थानीय नागरिकों और वन विभाग से जुड़े जानकारों का कहना है कि पुलिस को केवल बाहरी चोरों की संभावना तक सीमित नहीं रहना चाहिए। डाउटफुल कैरेक्टर, हाल में नियुक्त कर्मचारी, संदिग्ध गतिविधियां, स्थानीय संपर्क और घटनास्थल की तकनीकी जांच को भी गंभीरता से जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए।

लोगों का मानना है कि निष्पक्ष और बहुस्तरीय जांच से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला वास्तव में बड़ी चोरी का है, अंदरूनी मिलीभगत का है या फिर परिस्थितियां किसी अन्य दिशा की ओर संकेत कर रही हैं।

इनका कहना

पुलिस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि, वर्दी ही वर्दी का साथ नहीं दे रही है। मेरे घर चोरी हुई है और पुलिस मेरे निवास को दो थानों के बीच उलझा रही है। हालांकि अब भौरा पुलिस ने मामला जीरो पर कायम कर लिया है इसके बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

-रेंजर अमित चौहान

जिस सरकारी आवास में वर्तमान चोरी हुई है, उसी आवास में वर्ष 2022 में भी चोरी की वारदात हुई थी। उस समय मामला शाहपुर थाने में दर्ज किया गया था, इसलिए वर्तमान घटना को भी शाहपुर थाना क्षेत्र का मामला माना जा रहा है।

- केसला थाना प्रभारी मदनलाल पावर

किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य और संतुलित पोषण के प्रति किया जागरूक

सिराली। क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र बेड़िया खुर्द में मंगलवार को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उमंग स्वास्थ्य केंद्र खिरकिया के परामर्शदाता अजय मंडलेकर ने किशोर-किशोरियों को मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। परामर्शदाता अजय मंडलेकर ने बताया कि वर्तमान समय में लगभग हर व्यक्ति जीवन के किसी न किसी चरण में तनाव का सामना करता है। लगातार तनाव में रहने से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे शरीर की प्राकृतिक ऊर्जा कम होने लगती है और कई प्रकार की बीमारियां जन्म लेती हैं। उन्होंने किशोरों को तनाव से बचने, सकारात्मक सोच अपनाने और जरूरत पड़ने पर परामर्श लेने की सलाह दी। कार्यक्रम में बच्चों और किशोरियों को संतुलित पोषण के महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि पोषण शरीर के विकास, ऊर्जा और शारीरिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। सही और पौष्टिक आहार मानसिक विकास और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नियमित समय पर पौष्टिक भोजन करने, प्रतिदिन व्यायाम करने, पर्याप्त आराम और पूरी नींद लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही किशोर स्वास्थ्य से जुड़े मनहित एप और जस्ट आस्क चैटबॉट की जानकारी भी दी गई, ताकि किशोर अपनी समस्याओं के समाधान और परामर्श आसानी से प्राप्त कर सकें। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता मीणा, आशा कार्यकर्ता रेखा सेन, आंगनवाड़ी सहायिका दया बाई कहार सहित बड़ी संख्या में किशोर-किशोरियां उपस्थित रहे।

जिला जेल मुरैना में कानूनी सहायता हेल्प डेस्क का शुभारंभ

मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती संगीता मदान के द्वारा 13 मई 2026 को जिला जेल मुरैना में कानूनी सहायता हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती संगीता मदान ने बताया कि इस हेल्प डेस्क के माध्यम से जिला जेल मुरैना में जेल के मुलाकाती (मुलाकाती संपर्क) क्षेत्र में कैदियों के परिवार के सदस्यों के लिए संपर्क का एक महत्वपूर्ण केन्द्र स्थापित किया गया है। जिन व्यक्तियों को कानूनी सहायता संबंधी जानकारी नहीं होती है, उन्हें उक्त हेल्प डेस्क में नियुक्त जेल विजिटिंग लॉयर एवं पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा नि:शुल्क कानूनी जानकारी एवं आवश्यक सलाह प्रदान की जाएगी। साथ ही ऐसे बन्दी, जिनके प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं और उनके पास न्यायालयीन पैरवी हेतु कोई अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, उन्हें विधिक सेवा प्राधिकरण एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल के माध्यम से न्यायालयीन पैरवी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस शुभारंभ अवसर पर न्यायाधीशगण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जेल अधीक्षक जिला जेल मुरैना, जेल विजिटिंग लॉयर एवं पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे।

नौकासन: शरीर और मन को संतुलित करने वाला शक्तिशाली योगासन

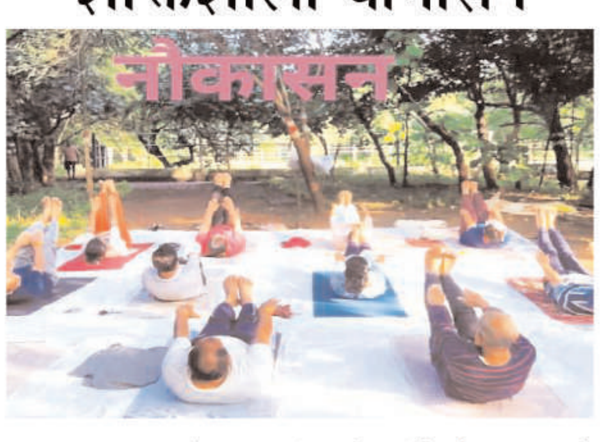

भोपाल। स्वर्ण जयंती पार्क में महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में नियमित योग साधक भाई-बहनों एवं बच्चों द्वारा नौकासन का अभ्यास किया गया। नौकासन शरीर को मजबूत, संतुलित और ऊर्जावान बनाने वाला महत्वपूर्ण योगासन है। इस आसन में शरीर नाव के आकार जैसा दिखाई देता है, इसलिए इसे नौकासन कहा जाता है। नियमित अभ्यास से पेट की मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं। यह आसन पाचन शक्ति को बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है। नौकासन मोटापा कम करने और पेट की अतिरिक्त चर्बी घटाने में उपयोगी है। इससे रीढ़ की हड्डी में मजबूती और लचीलापन बढ़ता है। हाथ, पैर और कमर की मांसपेशियाँ सक्रिय होती हैं। यह आसन शरीर में संतुलन और एकाग्रता विकसित करता है। नियमित अभ्यास से आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। बच्चों में स्मरण शक्ति, सजगता और अनुशासन विकसित करने में यह लाभकारी है। नौकासन तनाव और थकान को कम करने में भी सहायक माना जाता है। यह आसन शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति का संचार करता है। योग अभ्यास व्यक्ति को प्रकृति, स्वास्थ्य और आत्मचेतना से जोड़ता है। सामूहिक योग अभ्यास से सकारात्मक ऊर्जा और सामाजिक सद्भाव भी बढ़ता है।प्रातःकालीन स्वच्छ वातावरण में किया गया योग शरीर और मन दोनों को प्रसन्न रखता है। नियमित योग अभ्यास स्वस्थ, संतुलित और जागरूक जीवन की ओर प्रेरित करता है। योग अपनाएँ, स्वास्थ्य और आत्मबल बढ़ाएँ।

कैंसर पीड़ित बालक रेयांश को समिति की सेवादार शिल्पा लाम्बोर ने दिये उपहार

भोपाल। टीकमगढ़ से अपने माता पिता के साथ कैंसर का इलाज करवाने के लिए एम्स हॉस्पिटल में विगत 2 वर्षों से आ रहे इस 5 वर्षीय बालक का नाम है रेयांश। असहनीय पीड़ा को भोगते हुए कैंसर जैसे लाइलाज रोग से जूझने और उसे हराने के जज्बे को बल देने हेतु एम्स की ओर से इस बालक को कैंसर सर्वाइवर का तमगा दिया गया। एम्स प्रत्येक वर्ष कैंसर को हराने वाले ऐसे योद्धाओं को इस सम्मान से नवाजते हैं। आज लंगर वितरण स्थल पर भी उपहार देकर इस बालक का उत्साह वर्धन किया गया। ईश्वर इसे शीघ्र स्वस्थ करते हुए रोग से मुक्ति प्रदान करे।

गांव-गांव में मुनादी कराकर करें जागरूक, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक अपने पशुओं का करा सकें टीकाकरण

राज्यमंत्री लखन पटेल ने डिंडोरी जिले की ग्राम पंचायत बरगांव में वृहद पशु टीकाकरण अभियान का किया शुभारंभ, 35 गांवों में पहुंचेगी 50 टीमें

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल ने डिंडोरी जिले के विकासखंड शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगांव में मंगलवार को वृहद पशु टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत 35 गांवों में 50 टीमों द्वारा घर-घर पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य गलघोंटू जैसे संक्रामक रोगों की रोकथाम कर पशुधन को सुरक्षित रखना है, जिससे पशुपालकों को होने वाली आर्थिक हानि से बचाया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने 4 बसों एवं 18 चार पहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में पशु चिकित्सक, पैराबेट, सहायक एवं अन्य तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते, विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम सहित राजकुमार मटाले (अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख), कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डॉ. राखी वैश्य (डीन, वेटरनरी कॉलेज जबलपुर), डॉ. मंजीत शर्मा (कुलगुरु, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय), श्री मनोहर लाल साहू, श्री सुनील कांत, एच.पी. शुक्ला, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. कृष्ण कुमार एवं श्री सतीश चौबे राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय सहित अन्य अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री पटेल ने टीकाकरण शिविर का अवलोकन कर अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन पशुपालकों के हित में लगातार कार्य कर रहा है तथा पशुओं को रोगमुक्त रखने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गांव-गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण करा सकें। इस अभियान में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, पशुपालन विभाग जबलपुर एवं पशुपालन विभाग डिंडोरी के चिकित्सकों एवं तकनीकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

सिनेमा से सत्ता तकः विजय की एंट्री ने बदली तमिलनाडु की राजनीति

अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को बने हुए लगभग दो साल का ही वक्त हुआ है और पहले ही चुनाव में उसने राज्य की मुख्यधारा के दोनों दलों को करारी शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल की है। तमिलनाडु में सिनेमा और सियासत का खासा प्रभाव रहा है, जहां कई लोकप्रिय अभिनेताओं ने फिल्मी परदे से निकलकर सत्ता के गलियारों तक का सफर तय किया है। राज्य में अभिनेता से नेता बनने की परंपरा की नींव एमजी रामचंद्रन ने रखी थी। उन्होंने वर्ष 1972 में द्रमुक से अलग होकर अन्नाद्रमुक पार्टी का गठन किया और लंबे समय तक राज्य की सत्ता संभाली। अब तमिल सिनेमा के मशहूर अभिनेता विजय भी उनकी राह पर हैं। उनकी पार्टी टीवीके राज्य विधानसभा चुनावों में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। टीवीके की इस जीत को इसलिए अहम माना जा रहा है कि यह उसका पहला चुनाव था और उसने राज्य के इतिहास में एक बार फिर राजनीति की दिशा बदल दी है। इससे पहले यहां की सियासत केवल दो दलों द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती थी। हालांकि, विजय की पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाया है, लेकिन राज्य में उनकी सरकार बननी लगभग तय है। अब देखना होगा कि सत्ता संभालने के बाद वे जनता की उम्मीदों पर कितने खरे उतर पाएंगे। गौरतलब है कि तमिलनाडु की सियासत में एमजी रामचंद्रन के बाद कई फिल्मी सितारों ने कदम रखा, जिनमें जयललिता का नाम सबसे ऊपर है। अभिनेता विजयकांत और कमल हासन ने भी नए दलों का गठन किया, लेकिन उन्हें खास कामयाबी नहीं मिल पाई। इसके अलावा, रजनीकांत ने भी वर्ष 2020 में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने कदम वापस खींच लिए। वहीं, अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को बने हुए लगभग दो साल का ही वक्त हुआ है और पहले ही चुनाव में उसने राज्य की मुख्यधारा के दोनों दलों को करारी शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल की है। विजय को अभिनेता के रूप में जिस तरह की फिल्मों से लोकप्रियता मिली है, उनमें से ज्यादातर व्यवस्था की जटिलता एवं उसमें सुधार पर केंद्रित रही हैं। अब यह देखने की बात होगी कि इससे पहले सत्ता पर मजबूत पकड़ रखने वाली द्रमुक की राज्य में शासन और विकास की नीतियों के समांतर अब विजय और उनकी टीवीके तमिलनाडु की राजनीति को कौन-सी नई दिशा देते हैं।

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी, विश्व राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर

-नीरज कुमार दुबे

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं। संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं। मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे।

वैश्विक संकट के दौर में दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा के मामलें में संकट में हो बल्कि वास्तविकता तो यह है कि 10 अप्रेल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक मोटे अनमुन के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पर इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। हालातों में सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह देशवासियों से किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आग्रह को लेकर आलोचक भले ही मुद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने हैं। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि आदि शामिल है आदि के लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें से करीब 38 प्रतिशत आयात केवल और केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ ही फर्टिलाइजरों के मामलें में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुबिधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की ओर चला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध सीज़फायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी और दोनों ही देशों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने हैं। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच युद्ध तक सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश दूर दूर तक अछूता नहीं दिखाई दे रहा है। यह दो देशों की अहम् की लड़ाई ना होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात है। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज विश्व विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गया है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका-इजरायल और ईरान संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके अहम् के चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही है और हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं। आज सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित हो रहा है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में ही माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा।

इसी तरह से हमारे देश में सोने के खरीद के प्रति खास मोह रहता आया है पर हालातों को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदे तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसी तरह से केवल शानों शोकत के लिए विदेशी यात्राएं करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ ही विदेशी पूंजी भी बचेगी। इसी तरह से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है कोविड़ के बाद से सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर अधिकांष मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्कफ्राम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है। लब्बो-लबाब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो देशवासियों से आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारे दैनिक जीवन चर्या प्रभावित हो रही हो। एक भी ऐसा बिन्दु नहीं है जिससे आमजन प्रभावित हो रहा हो। सीधे सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ही ना कर सकें। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला हैं। इसलिए इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात की स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए आलोचना प्रत्यालोचना से ऊपर उठना होगा। यह देश नेता की एक आवाज पर आगे आना वाला देश है कोविड का समय और स्व. लालबहादुर शास्त्री के एक दिन के उपवास का आग्रह इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है।

अब घुसपैठ से मुक्त होगा पश्चिम बंगाल

इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा। लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है।

-सुरेश हिंदुस्तानी

पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा।

लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से बंगाल ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुन: बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है।

पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी ख़राब हो रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्ज़ा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया।

मूंछों वाला बंदर

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में बंदरों की एक प्रजाति ऐसी भी है, जिसे एम्पेरर टैमेरिन कहकर बुलाया जाता है। इसे यह नाम एक जर्मन राजा विल्हेम-2 के ऊपर मिला है। भूरे रंग के इन बंदरों की मनुष्यों की तरह बड़ी-बड़ी मूंछें और थोड़ी सी दाढ़ी होती है। इनकी लंबाई से डेढ़ गुनी लंबी इनकी पूंछ होती है। इनका वजन केवल 500 ग्राम तक होता है। यह जानवर देखने में किसी चाइनीस किंग की तरह लगता है जिन की बड़ी-बड़ी मूछें होती है और इन्हें इनकी मूंछ की वजह से ही इन्हे ऐसा नाम मिला है। यह जानवर 10 इंच बड़े होते हैं लेकिन इनकी पूंछ 16 इंच लंबी होती है यह जानवर झुंड में रहना पसंद करते हैं और अक्सर जुड़वा बच्चों को जन्म देते हैं और इस जाति के दूसरे जानवर बच्चों की देखभाल करते हैं। यह जानवर पूरी तरह शाकाहारी नहीं होते। फल और पत्तिओ के अलावा यह मेंढक स्नेल और छोटे पक्षियों को भी खा लेते हैं।

दुनिया का सबसे भारी कुत्ता

सेंट बर्नार्ड ब्रीड का 'वेनेडिकटिन' अब तक का सबसे भारी कुत्ता है। उसका वजन 166 किलोग्राम है।

दुनिया का सबसे खतरनाक शिकारी पक्षी है हार्पी ईगल

हार्पी ईगल दुनिया के सबसे शक्तिशाली और विशाल शिकारी पक्षियों में से एक है। यह खूबसूरत रैप्टर अमेजन के जंगलों का मूल निवासी है। कुशल शिकारी होने के बावजूद इसे मनुष्यों से बड़ा खतरा रहता है। नर का वजन 9 किलोग्राम तक होता है। लेकिन मादा का आकार नर से दोगुना होता है।

ये है दुनिया की 5 अनोखी किताबें

किताबें मनुष्य के जीवन का सबसे अहम और जरूरी हिस्सा है जिसका इंसानी सभ्यता से सदियों पुराना नाता है। किताबों में वर्णित चीजों और ज्ञान से ही व्यक्ति को अपने इतिहास की जानकारी मिलती है और यही वर्षों से इंसानी सभ्यता के आगे बढ़ने की वजह रही है।

दुनिया में अनगिनत किताबें मौजूद हैं। इसमें धार्मिक से लेकर ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और अन्य विषयों की पुस्तक है, जिनसे मनुष्य सीखता समझता आया है। लेकिन इनमें से कुछ किताबें ऐसी हैं जो बहुत ही अजीबोगरीब है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही पुस्तकों की जानकारी देते हैं। दुनिया की इन अनोखी किताबों के बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।

कोडेक्स लेस्टर

यह दुनिया की सबसे महंगी किताब है। आज के समय में अगर भारतीय रुपयों में इसकी कीमत की बात करें तो वह 200 करोड़ से ज्यादा है। 15 वीं शताब्दी में इस किताब को लियोनार्डो द विंची ने लिखा था। 1994 में बिल गेट्स ने इसे 3.08 करोड़ डॉलर में खरीदा था।

मिस मारपेल कलेक्शन

अगाथा क्रिस्टी की लिखी हुई मिस मारपेल दुनिया की सबसे मोटी किताब है। 8 किलोग्राम वजन किस किताब में 4032 पन्ने है।

शिकी नो कुसाबाना

यह दुनिया की सबसे छोटी किताब है जो महज 22 पन्नों की है और इसका आकार 0.74 बाय 0.75 है। इसे जापानी भाषा में लिखा गया है और पढ़ने के लिए ग्लासेस का इस्तेमाल करना होता है।

डायमंड सूत्रा

दुनिया की सबसे पहली और पुरानी प्रिंटेड किताब डायमंड सूत्रा है। बुद्ध और उनके शिष्यों के बीच में संवाद की व्याख्या करने वाली इस पुस्तक को 868 वीं ईस्वी में जापान में छपाई तकनीकी विकसित होने के बाद छापा गया था।

बाइबिल

दुनिया में अगर अब तक सबसे ज्यादा किसी किताब को पढ़ा गया है, तो वह ईसाई धर्म का ग्रंथ बाइबिल है। दुनिया भर में इस ग्रंथ की अलग-अलग भाषाओं में ढाई से लेकर 5 अरब प्रतियां मौजूद है।
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब का रिकॉर्ड दिया है।

प्रकृति का अद्भुत नज़ारा है डेनमार्क का 'ब्लैक सन'

क्या हो जब हजारों पक्षी एक साथ झुंड बनाकर आसमान में उड़ रहे हों? ये नजारा देखने के लिए डेनमार्क में लोगों की भीड़ पड़ती है क्योंकि हज़ारों पक्षियों का एक साथ उड़ना किसी 'काले सूरज' जैसा प्रतीत होता है। जी हां, डेनमार्क का 'ब्लैक सन' इसलिए ही कहा जाता है क्योंकि यहां सूरज ढलने के समय एक साथ हजारों पक्षी उड़ान भरते हुए नज़र आते हैं। वे आसमान में अलग-अलग के फॉर्मेशन बनाते हुए दिखते हैं। इसके साथ ही कई बार वे सूरज को पूरी तरह से ढंक देते हैं। ये नज़ारे जुटलैंड में वैडन सी के बाद राइब आइलैंड में या टोंडर मार्शलैंड्स में देखने को मिलते हैं। मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है कि ये नज़ारा कितनी देर तक दिखेगा। वैसे आमतौर पर 20-30 मिनट ये अनोखा अनुभव लिया जा सकता है। मार्च से अप्रैल के बीच और सितंबर से अक्टूबर के बीच, दो बार यह अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

ये है दुनिया की सबसे महंगी डॉग ब्रीड्स, खरीदने की लिए खर्च करने होंगे लाखों रुपए

लोगों के बीच जब भी वफादारी की बात निकलती है तो हर किसी की जुबान पर सबसे पहले कुत्ते का नाम सामने आता है। आए भी क्यों ना क्योंकि इन्हें सदियों से सबसे वफादार जानवर के रूप में पहचाना जाता है। इंसान के इस सबसे करीबी दोस्त कि कई तरह की नस्लें दुनिया भर में मिलती है। लोग अपनी पसंद के अनुसार इन्हें अपने घर का सदस्य बनाना पसंद करते हैं।
दुनिया में अलग अलग किस्म की कई डॉग ब्रीड हैं, जिन्हें बहुत पसंद किया जाता है। यह सब अपनी अलग-अलग खासियतों के चलते पहचाने जाते हैं। कोई अपने लंबे तो कोई छोटे कद के लिए प्रसिद्ध है। तो कोई क्यूटनेस के चलते लोगों के बीच पहचाना जाता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे महंगी ब्रीड बारे में बताते हैं जिन्हें खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना होगी।

तिब्बतन मस्तिफ डॉग

तिब्बतन मस्तिफ तिब्बत में पाया जाने वाला एक डॉग है। इसके शरीर पर बाल काफी ज्यादा होते हैं और दूर से देखने पर यह बब्बर शेर की तरह नजर आता है। इसकी कीमत की बात की जाए तो वह लगभग 11 करोड़ रूपए है।

फराओ हाउंड

ये डॉग्स देखने में काफी मासूम लगते हैं। इस ब्रीड में मेल डॉग की हाइट फीमेल डॉग से ज्यादा लंबी होती है। इनकी आंखे और कान सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव होते हैं। इनकी कीमत 5 लाख रुपए है।

रॉटविलर

यह दुनिया भर में डॉग की सबसे फेमस प्रजाति है और इसे पुलिस में भी शामिल किया जाता है। यह प्रजाति कई देशों की पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है। इसे खरीदने के लिए पोने दो लाख खर्च करने होंगे।

जर्मन शेफर्ड

सबसे महंगे डॉग की इस लिस्ट में जर्मन शेफर्ड नस्ल भी शामिल है। जो देखने में तो खतरनाक लगते हैं लेकिन यह काफी फेंडली भी होते हैं।

अकिता

इस नस्ल के डॉग नॉर्थ जापान के पहाड़ों पर पाई जाने वाली बड़े डॉग्स की ब्रीड है। इनकी कीमत 32 हजार से शुरू होती है, जो 2 लाख तक जाती है।

चाउ चाउ

यह चीनी नस्ल का डॉग है जो देखने में बहुत सुंदर लगता है। इसका मुंह छोटा सा होता है, जो बालों के बीच छिप जाता है। इसे खरीदने के लिए आपको 2 लाख रुपए खर्च करने होंगे, जो इनकी शुरुआती कीमत है।

एस्किमो

ये कैनेडियन नस्ल का डॉग है। इनका मुंह थोड़ा लम्बा होता है और ये बच्चों के साथ काफी फ्रेंडली होते हैं। इनकी कीमत 4 लाख से शुरू होती है।

सालुकी

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस ब्रीड को सबसे पुराना बताया जाता गई। इन डॉग्स की हाइट काफी लंबी होती है और ये स्लिम होते हैं। इनका चेहरा और कान भी लंबे होते हैं। इस डॉग की शुरुआती कीमत भी लाखों रुपए है।

वैज्ञानिक मशीन है हमारा शरीर

मस्तिष्क वह यंत्र जिससे हम सोचते हैं, कि हम सोचते हैं। इस मस्तिष्क की तंत्रिकाओं में आवेग 274 किमी प्रति घंटे की गति से चलता है या कि आप सोच सकते हैं कि आपने बहुत दिनों से कोई सपना नहीं देखा, जबकि आपने सपने देखे हैं पर आप 90% सपने भूल जाते हैं। अब जैसे ही आप इस वाक्य को पढ़ते हैं, आपके शरीर में 50,000 कोशिकाएं मर गई हैं और उनका स्थान दूसरी कोशिकाओं ने ले लिया है।
मानव शरीर से बड़ी वैज्ञानिक मशीन धरती पर कोई और है ही नहीं। आठ चक्र और नौ द्वारों वाला यह मानव शरीर देवों की अयोध्यापुरी है। इसीलिए हमारे शरीर को देवालय कहा गया है। औसत मानव शरीर में इतना सल्फर होता है कि एक कुत्ते पर मौजूद सारे कीटों को मार सके। 900 पेंसिल बनाने के लिए पर्याप्त कार्बन, एक खिलौना तोप को आग लगाने के लिए पर्याप्त पोटेशियम, साबुन के सात बार बनाने के लिए पर्याप्त वसा और एक 50 लीटर बैरल भरने के लिए पर्याप्त पानी होता है।
हमारे शरीर में एक हिस्सा है जहां रक्त की आपूर्ति नहीं है। यह सही है! यह आंख का कॉर्निया है जो हवा से सीधे ऑक्सीजन प्राप्त करता है। निश्चय ही शरीर सर्वश्रेष्ठ धर्म साधन है। यदि हमें बहुत कुछ याद रहता है तो एक मानव मस्तिष्क में एक मेमोरी क्षमता होती है जो हार्ड ड्राइव पर चार से अधिक टेराबाइट्स के बराबर होती है और, हमारा मस्तिष्क सुरक्षित है - 29 हड्डियों से बना है, उसी से घिरा हुआ है। इसलिए स्वामी विवेकानंद कह गए हैं कि शरीर और मन साथ ही साथ उन्नत होना चाहिए।
हमें प्यास का एहसास तब होता है जब पानी की कमी शरीर के वजन के 1% के बराबर होती है। 5% से अधिक का नुकसान बेहोशी का कारण बन सकता है, और 10% से अधिक निर्जलीकरण मृत्यु का कारण बनता है। क्योंकि देह ही मृत्यु का कलेवा है। यह देह तो केवल आत्मा रूपी अतिथि का विश्राम गृह है।
बालों को यदि पूरे जीवनकाल के लिए बढ़ने की अनुमति दी जाती है, तो किसी व्यक्ति के बालों की लंबाई 725 किमी हो सकती है - यह देखते हुए कि बाल प्रति वर्ष 6 इंच बढ़ते हैं। जन्म के समय, मानव मस्तिष्क में 14 बिलियन कोशिकाएं होती हैं। यह संख्या किसी व्यक्ति के जीवनकाल में नहीं बढ़ती है। 25 वर्षों के बाद, कोशिकाओं की संख्या हर दिन 100,000 से गिर जाती है। लगभग 70 कोशिकाएं मिनटों में मर जाती हैं । 40 वर्षों के बाद, मस्तिष्क की गिरावट तेज हो जाती है, और 50 साल के बाद न्यूरॉन्स (यानी तंत्रिका कोशिकाएं) सिकुड़ जाती हैं और मस्तिष्क छोटा हो जाता है। कहते हैं जन्म से क्रमशः दस वर्षों बाद जिनका ह्रास होता है वे हैं- बाल्यावस्था, शरीर की वृद्धि, शारीर की छवि, मेधा, त्वचा, दृष्टि, वीर्य, बुद्धि, कर्मेन्द्रिय, स्मरण शक्ति व जीवन।
सुबह अपने आप को मापें, फिर रात में। आप सुबह में लम्बे होते हैं क्योंकि दिन के दौरान आपकी हड्डियों में उपास्थि कार्टिलेज हड्डियों को दबाव बना कर छोटा कर देता है। प्रतिक्षण यह शरीर नष्ट होता रहता है पर दिखाई नहीं देता। जब हम सांस लेते हैं, तो अधिकांश हवा एक नथुने से अंदर और बाहर जा रही होती है। हर कुछ घंटों में, कार्यभार दूसरे नथुने में बदल जाता है। साथ ही, आपकी नाक 1 ट्रिलियन प्रकार की गंध का पता लगा सकती है। धम्मपद में कहा है कि अस्थियों का एक नगर बनाया गया है, जो मांस और रक्त से लेप गया है।जिसमें जरा, मृत्यु, अभिमान और डाह छुपे हुए हैं। हमारा शरीर महामंदिर है। स्वस्थ शारीर आत्मा का अतिथि-भवन है। अस्वस्थ शरीर इसका कारागार। हमारा शरीर हमारी आत्मा का सितार है, अब यह हमारे हाथ की बात है कि हम उससे मधुर स्वर झंकृत करते हैं या बेसुरी आवाजें निकालते हैं।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही जनकल्याणकारी योजनाएं : सांसद

राष्ट्रीय वयोश्री एवं एडीप योजना - दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को मिले सहायक उपकरण

सीधी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सीधी जिले में 11 मई से 15 मई 2026 तक दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के तहत एलिम्को के सहयोग से चयनित हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इसी क्रम में जनपद पंचायत सभागार सीधी में राष्ट्रीय वयोश्री योजना एवं एडीप योजना अंतर्गत सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, वॉकर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, छड़ी एवं अन्य आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए। एडीप योजना अंतर्गत 53 हितग्राहियों को 112 सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जबकि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत 63 हितग्राहियों को 325 उपकरण वितरित कर लाभान्वित किया गया। सहायक उपकरण प्राप्त कर हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी एवं आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर, सक्षम एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं संचालित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के लिए सुविधा का माध्यम ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वावलंबन एवं सम्मान के साथ जीवन जीने का आधार भी हैं। उन्होंने हितग्राहियों से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आगे बढ़ने एवं समाज में प्रेरणा का स्रोत बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देते हुए उपस्थित जनसमूह को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सेवा, संवेदनशीलता एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान, जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा, एसडीएम राकेश शुक्ला तथा जनपद सीईओ चंदूलाल पनिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सूरज सिंह, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से दीपक त्रिपाठी, नम्रता मिश्रा, शिवांशु शुक्ला, शेषमणि साहू तथा सामाजिक न्याय विभाग से चंद्र प्रताप तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय किया गया।

लाल पोटली में मिला मासूम का कंकाल, गांव में हड़कंप, तंत्र-मंत्र की आशंका से सहमे ग्रामीण

सीधी। सीधी जिले के भुईमाड़ थाना क्षेत्र के ग्राम खम्हरिया में एक दिल दहला देने वाली और रहस्यमयी घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया है। गांव के बाहर बांस के पेड़ पर लाल कपड़े की एक पोटली में मासूम बच्चे का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना के बाद ग्रामीणों में तंत्र-मंत्र और जादू-टोने की आशंका को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है, वहीं पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ग्रामीण सत्य प्रकाश बैगा के अनुसार, रविवार सुबह कुछ लोगों की नजर बांस के पेड़ पर टंगी लाल पोटली पर पड़ी, जो संदिग्ध लग रही थी। जब ग्रामीणों ने उसे खोलकर देखा तो उसमें छोटे बच्चे का कंकाल मिला। यह दृश्य देखते ही पूरे गांव में भय और अफरा-तफरी का माहौल फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए।

ग्रामीणों का कहना है कि यह कंकाल संभवत: उसी बच्चे का हो सकता है जिसकी कुछ समय पहले मृत्यु हुई थी और जिसे गांव में ही दफनाया गया था। जब लोग उस स्थान पर पहुंचे जहां बच्चे को दफनाया गया था, तो वहां खुदाई के निशान और गड्ढा मिला। इससे आशंका और गहरा गई कि किसी ने शव को कब्र से निकालकर तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास से जुड़ी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया हो सकता है।

घटना की सूचना मिलते ही भुईमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस दौरान रायभान सिंह ने पुलिस को बताया कि यह पोटली किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके घर में रखी गई थी, जिसे डर के कारण उन्होंने घर से हटाकर बांस के पेड़ पर टांग दिया।

थाना प्रभारी डी.डी. सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। कब्र स्थल पर खुदाई के निशान मिले हैं और सभी संभावित एंगल पर जांच जारी है। पुलिस ने कहा है कि तथ्य सामने आने के बाद सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है और ग्रामीण दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं

वृहद रंगोली कार्यक्रम में बच्चों ने दिया स्वच्छता एवं जनभागीदारी का संदेश

सीधी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत सीधी शहर के मुख्य मार्गों के किनारे आयोजित वृहद रंगोली कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी का प्रेरणादायी संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोलियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सीमित संसाधनों एवं कम समय के बावजूद बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, कला एवं सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट परिचय दिया। रंगोलियों के माध्यम से स्वच्छ वातावरण, कचरा प्रबंधन, जनसहभागिता तथा स्वस्थ जीवनशैली का संदेश प्रभावी रूप से जनमानस तक पहुंचाया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों एवं विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिसमें अबोध बाल शिक्षा निकेतन हाई स्कूल सीधी की छात्रा सोनाक्षी सिंह, प्रणाली साकेत, प्राची पाण्डेय एवं श्रुति सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार एकलव्य पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल हड़बड़ो की छात्रा दीक्षा चौबे एवं अर्चिता सिंह ने द्वितीय स्थान अर्जित किया। वहीं गांधी हाई स्कूल सीधी की छात्रा अनन्या सिंह, समृद्धी सिंह, प्रकृति जायसवाल, अमृता शुक्ला, स्तुति मिश्रा, सगुन जायसवाल, अनवेसा पाण्डेय, साक्षी सिंह, पीहू तिवारी, पावनी चतुर्वेदी एवं दिव्यांशी जायसवाल तथा छात्र आयुष सिंह, उज्जवल सिंह एवं देवहर्षित सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया।

हर नागरिक महत्वपूर्ण-ट्रांसजेंडर रोजी मौसी के घर पहुंचकर कलेक्टर ने कराया जनगणना कार्य

समावेशी जनगणना का संदेश - समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने प्रशासन की संवेदनशील पहल

सीधी।

जिले में संचालित जनगणना अभियान को समावेशी एवं जनसरोकारों से जोड़ते हुए जिला जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर विकास मिश्रा ने नगर पालिका क्षेत्र सीधी के वार्ड क्रमांक 12 में ट्रांसजेंडर रोजी मौसी के निवास पहुंचकर जनगणना कार्य का निरीक्षण किया तथा उनकी उपस्थिति में जनगणना की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है और

इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सही एवं समग्र आंकड़ों का संकलन आवश्यक है। जनगणना अभियान में किसी भी वर्ग की उपेक्षा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहा है।

कलेक्टर ने प्रगणकों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनगणना कार्य पूरी पारदर्शिता, सटीकता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ संपन्न किया जाए, ताकि जिले का प्रत्येक नागरिक शासन के अभिलेखों में सम्मानपूर्वक दर्ज हो सके। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे सही जानकारी देकर जनगणना अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। ट्रांसजेंडर रोजी मौसी ने प्रशासन की इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग को समान सम्मान और पहचान मिलना एक सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर की उपस्थिति में जनगणना संपन्न होना उनके लिए सम्मान और आत्मीयता का अनुभव है।

इस दौरान संबंधित प्रगणक एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे। जनगणना अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा सबका साथ, सबकी भागीदारी का संदेश प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता पर केंद्रित गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने दिखाई उत्साहपूर्ण सहभागिता

सीधी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में 11 मई 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. के. एस. नेताम के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के योगदान को स्मरण करते हुए किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों, विशेष रूप से पोखरण परमाणु परीक्षण, अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की गई।

महाविद्यालय में व्याख्यान एवं प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वक्ता के रूप में डॉ. राकेश सिंह चौहान सहायक प्राध्यापक, डॉ. दिवाकर सिंह सहायक प्राध्यापक एवं डॉ. विद्याचरण द्विवेदी अतिथि विद्वान (भौतिकी) उपस्थित रहे। वक्ताओं ने आधुनिक युग में विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में नवाचारों के महत्व तथा युवाओं की जिम्मेदारियों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीकी विकास से संबंधित प्रेरणादायक वीडियो एवं प्रस्तुति भी दिखाई गई, जिसे सभी ने गंभीरता एवं रुचि के साथ देखा। साथ ही छात्र-छात्राओं को नई तकनीकों के सकारात्मक उपयोग, अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अंबिकेश पांडे ने प्रथम, आंचल सिंह ने द्वितीय एवं अंशु पाठक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद् जबलपुर के सदस्यों का मतदान

आज ज्यादा से ज्यादा मतदान की अपील

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद् जबलपुर के 23 सदस्यों के निर्वाचन हेतु मतदान दिनांक 12.05.2026 समय 10:00 बजे से 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है. जिनमें 122 अभ्यर्थियों ने निर्वाचन में भाग लिये है मतदान में प्रत्येक अधिवक्ता को अपने पसंद के अभ्यर्थी को प्रथम वरीयता क्रम में दिये जाने वाले मतदान उस अभ्यर्थी को वरीयता क्रम में लिखना होगा। जिला अधिवक्ता संघ सीधी के अध्यक्ष ने अपील की है कि सम्मानीय अधिवक्तागण अपने मताधिकार का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने और अपने साथ अपना अधिवक्ता परिचय पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य प्रमाणित दस्तावेज अपने साथ रखे जिन अधिवक्ताओं के पास अधिवक्ता परिचय पत्र उपलब्ध नहीं है, उनके लिए वैकल्पिक परिचय पत्र जिला अधिवक्ता संघ द्वारा जारी किया जाएगा। साथ ही अधिवक्ताओं से शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मतदान प्रक्रिया में सहयोग करने की भी अपील की गई है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता अभियान

गांधी चौक चौपाटी में गुटखा, तंबाकू एवं नशीले पदार्थों की प्रतीकात्मक होली जलाकर दिया जाएगा जागरूकता का संदेश

सीधी। समाज को नशामुक्त बनाने एवं युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा ऑपरेशन प्रहार अभियान के अंतर्गत 12 मई 2026 को विशेष नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उपसंचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि एक जन आंदोलन कृ नशीले पदार्थों के विरुद्ध थीम पर आधारित यह कार्यक्रम शाम 4.30 बजे गांधी चौक स्थित चौपाटी परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता पैदा करने तथा युवाओं को स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान गुटखा, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों की प्रतीकात्मक होली जलाई जाएगी। यह आयोजन समाज को यह संदेश देगा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए जनसहभागिता एवं सामूहिक जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विधायक सीधी रीती पाठक सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा ऑपरेशन प्रहार अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। स्कूलों, कॉलेजों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर हो सके। उपसंचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर नशे के विरुद्ध इस जनजागरूकता अभियान को सफल बनाएं तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

नन्हा सा दिल शिविर में 9 बच्चों की नि:शुल्क हृदय जांच, 2 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को मिलेगा पूर्णतः नि:शुल्क इलाज एवं ऑपरेशन

सीधी। जिला प्रशासन सीधी, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस (आंगनबाड़ी), शिक्षा विभाग एवं एनसीएल के सीएसआर सहयोग से श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम द्वारा डीईआईसी सेंटर जिला चिकित्सालय सीधी में नन्हा सा दिल जन्मजात हृदय रोग निवारण एवं उपचार शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क जांच एवं इको स्क्रीनिंग की गई।

शिविर में कुल 9 बच्चों की इको स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 2 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि हुई। चिन्हित दोनों बच्चों को आगे के उपचार हेतु श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल, कोंडापाका (सिद्धिपेट), तेलंगाना भेजा जाएगा, जहां उनका संपूर्ण उपचार,

ऑपरेशन एवं देखभाल पूर्णत: नि:शुल्क की जाएगी।

विशेष बात यह है कि उपचार के दौरान बच्चे के साथ आने वाले दो अभिभावकों (माता-पिता) के आने-जाने का किराया, रहने-खाने की व्यवस्था, दवाइयां एवं ऑपरेशन सहित समस्त व्यय श्री सत्य साई संजीवनी संस्थान द्वारा वहन किया जाएगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

शिविर का संचालन कार्डियोलॉजिस्ट श्री साई गणेश एवं चिकित्सा टीम के सदस्य गौरव दत्ता, राधिका, निशा एवं गौरी की उपस्थिति में किया गया। चिकित्सकीय टीम ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर अभिभावकों को आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे ने बताया कि नन्हा सा दिल कार्यक्रम जिले के बच्चों को नया जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं जागरूकता से वंचित परिवारों तक पहुंचकर बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय पर पहचान करना तथा उन्हें नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी बच्चा उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे।

उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि यदि 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में बार-बार सर्दी, खांसी, बुखार या निमोनिया होना, दूध पीने में परेशानी, दूध पीते समय अत्यधिक पसीना आना, दिल की तेज धड़कन, हाथ-पैर या नाखूनों का नीला पड़ना अथवा होंठ एवं मुंह में नीलापन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराएं, क्योंकि यह जन्मजात हृदय रोग के संकेत हो सकते हैं।

सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे ने जानकारी दी कि नन्हा सा दिल शिविर का अगला आयोजन दिनांक 12 मई 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल में प्रात: 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से निर्धारित समय एवं स्थान पर पहुंचकर इस नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने की अपील की। उपचार एवं अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 6263294775 पर संपर्क किया जा सकता है।

सलमान खान के एक आइडिया ने रेडी में मेरे किरदार को बना दिया यादगार : कुब्रा

सेक्रेड गेम्स, रेडी, गली बॉय जैसी वेबसीरीज और फिल्मों में काम कर चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने 'रेडी' के किरदार को लेकर बात की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्म में उनके रोल को खास बनाने का आइडिया सुपरस्टार सलमान खान का था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बात करती नजर आईं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'रेडी' मिलने का अनुभव साझा किया। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और इसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटे काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और अनीस बज्मी की मंजूरी का इंतजार था। शुरुआत में फिल्म में उनके कोई डायलॉग नहीं थे और उन्हें एक नौकरानी का किरदार मिला था। लेकिन, बाद में सलमान खान ने सुझाव दिया कि उनके किरदार को टूटी-फूटी इंग्लिश बोलने वाली मेड बनाया जाए, जिससे उनका रोल खास बन गया।

अभिनेत्री ने कहा, यह वही ऑडिशन था, जिसमें मैंने छोटी ब्लैक ड्रेस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में उनके हां कहने का इंतजार कर रही थी। इस ऑडिशन में मुझे फिल्म रेडी में एक मेड का रोल मिलने वाला था और मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड थी। इस फिल्म को करते समय मेरे अंदर बहुत आत्मविश्वास था क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था।

इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और इसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटे काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और अनीस बज्मी की मंजूरी का इंतजार था। शुरुआत में फिल्म में उनके कोई डायलॉग नहीं थे और उन्हें एक नौकरानी का किरदार मिला था।

उन्होंने कहा, मैंने इससे पहले कभी फिल्म नहीं की थी। फिल्म में मेरे लिए कोई डायलॉग नहीं था। फिर सलमान खान ने कहा, क्यों न इसे ऐसी मेड बनाया जाए जो टूटी-फूटी भाषा, खासकर टूटी-फूटी इंग्लिश बोलती हो? अनीस सर को यह आइडिया बहुत पसंद आया और तभी मुझे फिल्म में डायलॉग मिले।

उन्होंने आगे कहा, हर किसी ने मुझसे कहा कि रेडी जैसा रोल करके मैं पागलपन कर रही हूं और बहुत जल्दबाजी दिखा रही हूं। अगर मैंने रेडी नहीं की होती, अगर मैं इतना पागलपन नहीं दिखाती, तो मैं कभी कुकू नहीं बन पाती। कभी 'न' मत कहो। कोई रोल छोटा नहीं होता, सिर्फ अभिनेता छोटे होते हैं। यह जिंदगीभर की सीख है।

कान फिल्म फेस्टिवल में छाईं आलिया भट्ट, सामने आई पहली झलक

कान फिल्म फेस्टिवल का आगाज आज ओपनिंग सेरेमनी के साथ होगा। इस प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में दुनियाभर की सिनेमा और फैशन जगत की चर्चित हस्तियां शामिल होती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट भी यहां पहुंची हैं। कान फेस्टिवल से उनका एक लुक सामने आया है। आलिया भट्ट ने लाइट ग्रीन कलर का फ्लोरल कौर्सेट कैरी किया है, जो व्हाइट बॉलगाउन स्कर्ट सरीखा लग रहा है। आलिया का यह लुक बेहद रिफ्रेशिंग और स्टाइलिश है। एक्ट्रेस ने ग्लोबल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे ग्लैमरस लुक में इतनी सहज और प्यारी लग रही हैं कि देखने वाले लोग तारीफें कर रहे हैं। आलिया ने व्हाइट बेस पर येलो, ग्रीन और ब्लू शेड वाले इस फ्लोरल लुक गाउन के साथ अपने हेयर स्टाइल को भी बेहद खास रखा है। उन्होंने हाईबन बनाया है। आलिया ने अपना लुक बेहद सिंपल रखा है। न उन्होंने गले में नेकलेस पहना है न कलाई पर कोई ब्रेसलेट या घड़ी। इसके बावजूद अपने दमदार अंदाज से उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा है। आलिया भट्ट का कान फेस्टिवल का यह लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और नेटिजंस के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। एक्ट्रेस को सकारात्मक रिएक्शंस मिल रहे हैं। यूजर्स उन्हें डिज्नी प्रिंसेस बुला रहे हैं। वहीं, कुछ उन्हें फैशन दीवा और क्वीन का टैग दे रहे हैं। अधिकांश यूजर्स फायर और रेड हार्ट इमोजी बनाकर प्यार लुटा रहे हैं। आलिया भट्ट ने बीते साल यानी 2025 में कान फिल्म समारोह में डेब्यू किया था। अपने डेब्यू लुक से भी उन्होंने सबको दीवाना बना दिया था। आलिया ने क्रिस्टल जड़ी साड़ी पहनी थी।

मीरा नायर की अमरी में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा, पिता के रोल में जयदीप अहलावत, मशहूर पेंटर पर होगी आधारित

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है अमरी। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और जयदीप अहलावत के अलावा भी कई कलाकाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। मीरा नायर की नई फिल्म अमरी में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर ईगन के रूप में नजर आएंगी। अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। आज मंगलवार को मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म अमरी का पहला लुक जारी किया है। अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। एएनआई के अनुसार मीरा ने कहा, अमरी अमृता शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।

'सिस्टम' से टकराने निकलीं सोनाक्षी सिन्हा, आगामी कोर्टरूम ड्रामा का ट्रेलर रिलीज

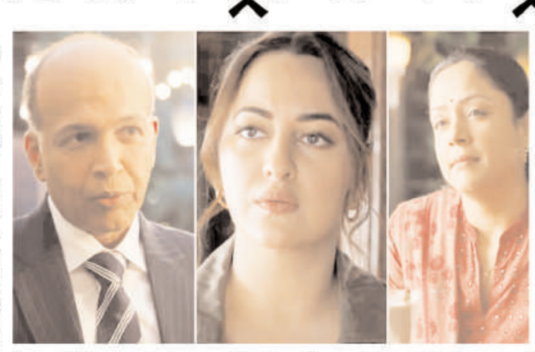

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा एक कोर्टरूम ड्रामा के साथ वापसी कर रही हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सिस्टम' का ट्रेलर आज जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील की भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म का ट्रेलर सत्ता, महत्वाकांक्षा और न्याय के टकराव की एक रोमांचक कानूनी लड़ाई की झलक दिखाता है। जानते हैं कैसा है फिल्म का ट्रेलर और कब रिलीज होगी यह फिल्म? 2 मिनट के इस ट्रेलर की शुरुआत सोनाक्षी सिन्हा के किरदार नेहा से होती है। नेहा एक दृढ़ निश्चयी युवा वकील है और अपने पिता की लॉ फर्म में पार्टनर बनने के लिए खुद को योग्य साबित करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पिता (आशुतोष गोवारिकर) उसे एक कठिन केस लेने की चुनौती देते हैं। अपनी लड़ाई को मजबूत करने के लिए, नेहा सारिका (ज्योतिका) को अपने साथ लाती है। सारिका एक तेजतर्रार और चालाक कोर्टरूम स्टेनोग्राफर है, जिसके अपने कुछ छिपे हुए इरादे मालूम पड़ते हैं। नेहा सारिका से गलत तरीके से उसकी मदद करने के लिए कहती है। लेकिन इसके बाद कहानी में कुछ नए राज खुलते जाते हैं, जो इसे रोचक बनाते हैं। ट्रेलर देखकर पता चलता है कि कहानी की कई परतें हैं। जो जैसा दिख रहा है, वैसा है नहीं। ट्रेलर में एक डायलॉग भी है कि 'दुनिया में हम सब अपना असली चेहरा छिपाते हैं।' ट्रेलर में सोनाक्षी का सिस्टम से संघर्ष दिखाया गया है, जो ट्रेलर के इस डायलॉग से साबित होता है, जिसमें कहता है, 'अमीर के शोर में गरीब की आवाज खो जाती है।' 'सिस्टम' का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले 'निल बटे सन्नाटा' और 'बर्फी' जैसी फिल्मों को भी निर्देशित किया है। सिस्टम महत्वाकांक्षा, बदला, नैतिकता और न्याय की खोज जैसे विषयों को दिखाती है। फिल्म का निर्माण पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बलिगा ने किया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा के अलावा आशुतोष गोवारिकर, ज्योतिका, प्रीति अग्रवाल, अदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सायंदीप सेनगुप्ता भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार, अश्विनी अय्यर तिवारी, तसनीम लोखंडवाला और अक्षत घिल्डियाल ने लिखी है।

तृषा बनेंगी कमल हसन और रजनीकांत की अगली फिल्म का हिस्सा?

नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म केएआरके का फैंस को बड़ा इंतजार है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि यह मल्टीस्टारर है। फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन अहम भूमिका में होंगे। अब सुनने में आया है कि तृषा भी इससे जुड़ सकती हैं। हालांकि, अब तक इस मामले पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर खबरों की मानें तो अभिनेत्री से प्रोजेक्ट पर बात चल रही है।

इंडस्ट्री में चर्चा है कि अभिनेत्री तृषा कृष्णन, नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित अगली फिल्म का हिस्सा बन सकती हैं। इस फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन लंबे वक्त बाद साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म के विषय पर कथित तौर से एक्ट्रेस से बातचीत चल रही है।

नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म केएआरके का फैंस को बड़ा इंतजार है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि यह मल्टीस्टारर है। फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन अहम भूमिका में होंगे। अब सुनने में आया है कि तृषा भी इससे जुड़ सकती हैं। हालांकि, अब तक इस मामले पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर खबरों की मानें तो अभिनेत्री से प्रोजेक्ट पर बात चल रही है।

फिल्म केएआरके से साउथ के दोनों सुपरस्टार्स रजनीकांत और कमल हासन फिर से दशकों बाद एक साथ नजर आएंगे। फिल्म दोनों ही एक्टर्स के फैन के लिए यादगार होने वाली है। कुछ दिन पहले ही फिल्म की घोषणा के साथ मेकर्स मे एक वीडियो भी जारी किया था। जिसमें दोनों दिग्गज रेट्रो स्टाइल में नजर आ रहे थे।

सोशल मीडिया पर यह बहस भी चल रही है कि फिल्म का मेन लीड हीरो कौन होगा? रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत और कमल हसन की इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू हो सकती है। नेल्सन फिलहाल पटकथा, लोकेशन, कलाकारों और तकनीकी टीम पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही इस फिल्म को अब तक का सबसे बड़ा तमिल प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। फिलहाल, मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की जानकारी शेयर नहीं की है।

तजपुरा में करोड़ों की नल-जल योजना तीन साल से ठप, ग्रामीण बूंद-बूंद को तरसे

20 लाख जमा होने के चार माह बाद भी टेंडर नहीं, 15 मई को निविदा जारी करने का आश्वासन

भैरूंदा/सीहोर विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज़, भोपाल क्षेत्र जिला सीहोर

तहसील मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत तजपुरा में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित नल-जल योजना विगत तीन वर्षों से ग्रामीणों के लिए महज शोभायमान संरचना बनकर रह गई है। जलापूर्ति हेतु निर्मित उच्च स्तरीय टंकी का कार्य वर्षों पूर्व पूर्ण हो चुका है, किंतु ग्रामवासियों के घरों तक नलों के माध्यम से पेयजल आज तक नहीं पहुंच सका है।

प्रचंड ग्रीष्म ऋतु में गांव भीषण पेयजल संकट से जूझ रहा है। स्थानीय निवासियों ने ग्राम पंचायत, सरपंच-सचिव एवं जल निगम विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार मुख्य मार्ग के निर्माण कार्य के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा नल-जल योजना की

मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी गई थी, जिसके उपरांत संपूर्ण योजना निष्क्रिय हो गई।

धनराशि जमा, पर कार्य शून्य : क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के पुनर्निर्माण एवं नवीन पाइपलाइन बिछाने हेतु लोक निर्माण विभाग के माध्यम से जल निगम को लगभग चार माह पूर्व 20 लाख रुपये की राशि जमा कराई जा चुकी है। इसके बावजूद आज तक न तो निविदा प्रक्रिया प्रारंभ हुई है और न ही मरम्मत कार्य शुरू हो सका है।

जनपद सदस्य ने एसडीएम को सौंपा आवेदन : मंगलवार को जनपद पंचायत सदस्य, वार्ड क्रमांक 17, श्री धर्मेन्द्र सिंह पंवार 'गोलू भैया' अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, भैरूंदा पहुंचे और आवेदन प्रस्तुत कर अविलंब पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि विभागीय उदासीनता के कारण ग्रामवासी पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं।

इस संबंध में श्री पंवार ने दूरभाष पर जल निगम के अनुविभागीय अधिकारी श्री हिमांशु मिश्रा से चर्चा की। श्री मिश्रा ने अवगत कराया कि दस्तावेजों का सत्यापन बुधवार को किया जाएगा तथा 15 मई को निविदा जारी कर दी जाएगी।

गहराता जल संकट, हैंडपंपों ने भी छोड़ा साथ : भीषण गर्मी के कारण गांव के अधिकांश हैंडपंपों का जलस्तर अत्यंत नीचे चला गया है। अनेक परिवारों को दूरस्थ स्थानों से जल लाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। महिलाओं एवं बालकों को प्रतिदिन पेयजल हेतु कठिन परिश्रम करना पड़ रहा है। करोड़ों रुपये व्यय होने के उपरांत भी योजना का लाभ न मिलने से ग्रामवासियों में गहरा रोष व्याप्त है।

जनपद सदस्य ने प्रशासन से मांग की है कि अविलंब निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर नवीन पाइपलाइन स्थापित की जाए, जिससे ग्रामवासियों को नल-जल योजना का लाभ प्राप्त हो सके एवं दीर्घकाल से व्याप्त पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

संबल योजना से मिला संबलः स्व. ऊषा दुबे के परिजनों को 2 लाख की सहायता राशि का स्वीकृति पत्र सौंपा

विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज़ भोपाल, क्षेत्र जिला सीहोर

भैरूंदा। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 14, शास्त्री कॉलोनी निवासी स्व. श्रीमती ऊषा दुबे के असमय निधन के बाद, उनके परिवार को मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अंतर्गत 2,00,000 (दो लाख रुपए) की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। शासकीय प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात स्व. ऊषा दुबे के पति श्री सुधीर दुबे एवं पुत्र श्री स्वयं दुबे को सहायता राशि का आधिकारिक स्वीकृति पत्र सौंपा गया।

जनप्रतिनिधियों ने बताया संबल योजना का महत्व : इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्री मारुति शिशिर एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री आशीष शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीबों और जरूरतमंदों के हितों के लिए सदैव संकल्पित है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान, मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव एवं क्षेत्रीय विधायक श्री रमाकांत भार्गव के कुशल नेतृत्व में संबल योजना प्रदेश के लाखों परिवारों के लिए संकट की घड़ी में बड़ा सहारा बनी है।

नगर परिषद उपाध्यक्ष का बयान : नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा रितेश मकवाना एवं उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री रितेश मकवाना ने कहा कि हमारा प्रयास है कि वार्ड और नगर के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि स्व. ऊषा दुबे के परिवार को प्राप्त यह सहायता राशि इस दुखद समय में परिवार को संबल प्रदान करेगी। हितग्राही परिवार ने इस सहायता के लिए प्रदेश सरकार एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है।

भिण्ड जल प्रदाय परियोजना में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

भिण्ड। भिण्ड नगर में एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से संचालित जल प्रदाय परियोजना के अंतर्गत श्रमिकों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रोड सेफ्टी प्लेज एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से श्रमिकों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग तथा कार्यस्थल पर सतर्कता बरतने के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित श्रमिकों एवं कर्मचारियों ने सड़क सुरक्षा की शपथ लेते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया। परियोजना क्षेत्र में जागरूकता रैली निकालकर सड़क सुरक्षा का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का समन्वय सामुदायिक विकास अधिकारी सुश्री सोनिका शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत केवल आधारभूत संरचना विकास ही नहीं, बल्कि श्रमिकों की सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता को भी प्राथमिकता दी जा रही है। अभियान का उद्देश्य श्रमिकों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करना है।

जिले में शेष किसानों की फार्मर आईडी बनाने का काम जारी, विभिन्न ग्रामों में लगे शिविर

ग्वालियर। जिले में कृषि भूमि के मालिक शेष किसानों की फार्मर आईडी बनाने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में बुधवार को ग्राम स्यावरी, उदयपुर, डांग गुठीना, गिरगांव, महरोली, डबका, जेबरा, कुलैथ व जिगसौली सहित जिले के अन्य ग्रामों में विशेष शिविर लगाकर फार्मर रजिस्ट्री का काम किया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को अभियान के माध्यम से शतप्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

जिले में यह अभियान 20 मई तक चलेगा। इसके तहत सभी भूधारी किसानों का पंजीयन कर उनकी फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जा रही है। साथ ही किसानों की सभी कृषि भूमियों को आईडी से जोड़ा जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को यह भी निर्देश दिए हैं कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के एफआरए पट्टाधारी किसानों की फार्मर आईडी बनाना भी सुनिश्चित करें। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों की भूमि संबंधी जानकारी एकीकृत रूप से उपलब्ध रहेगी। इससे शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ किसानों तक आसानी से पहुंच सकेगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अभियान की प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जाए। फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल एवं एमपीएफआर पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्टों के आधार पर प्रगति की समीक्षा होगी।

खिरकिया शहर कांग्रेस की कमान अब असलम पठान के हाथों में

संगठन मजबूती और जनहित के मुद्दों पर मुखर रहने का लिया संकल्प

खिरकिया। नगर कांग्रेस संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे कांग्रेस नेता असलम पठान को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए खिरकिया शहर कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद की गई। असलम पठान इससे पहले जिला कांग्रेस प्रवक्ता के रूप में अपनी सक्रिय पहचान बना चुके हैं और संगठनात्मक गतिविधियों में लगातार भागीदारी निभाते रहे हैं। उनकी नियुक्ति को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

नवनियुक्त शहर कांग्रेस अध्यक्ष असलम पठान ने जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से विधायक आर.के. दोगने सहित वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता को संगठन में इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना पार्टी की लोकतांत्रिक कार्यशैली को दर्शाता है।

पठान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति और विचारधारा के अनुरूप शहर में संगठन को मजबूत करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा शहर हित के विषयों पर विपक्ष की आवाज को मजबूती से बुलंद किया जाएगा। उनके अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को साथ लेकर बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। असलम पठान की नियुक्ति पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों में बद्री पटेल, पुरुषोत्तम कोठारी, शरद पोषनीवाल, पद्माकर पटेल, संग्राम सिंह इरलावत, संजय सिंह चौहान, संजय मिश्रा, दुर्गादास पाटिल, दशरथ पटेल, रामनिवास पटेल, मनीष

राय, आकाश चंद्रवंशी, अवनीश पगारे, सावन शर्मा, मनजीत बघेल, गोल्डी कुशवाह, लोकेश जायसवाल, राजेश मालू, शैलेन्द्र राय, शशिकांत ढाक, रिया भूपेंद्र राजपूत, आनंद माझी, प्रवीण पाटिल, प्रशांत गौर, दिलीप राजपूत, आशुतोष कोठारी, बंटी वर्मा, साबिर अली, इमरान शेख, बलदार खान, सिद्दीक खान, देवेंद्र राजपूत और जितेंद्र राजपूत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि असलम पठान के नेतृत्व में खिरकिया शहर कांग्रेस को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठन आगामी राजनीतिक एवं जनहित के मुद्दों पर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा।

डेटा सेंटर और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर रिकॉर्ड निवेश के बीच मेटा में होगी 8 हजार कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का असर दुनिया के टेक सेक्टर में साफ दिखाई देने लगा है। सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने 20 मई को करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला लिया है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग मेटा को छोटे और एआई-संचालित ढांचे में बदलने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। पहली तिमाही के नतीजों के दौरान जुकरबर्ग ने साफ कहा कि भविष्य उन्हीं कर्मचारियों का होगा जो अकेले बड़े प्रोजेक्ट संभालने की क्षमता रखते हैं। उनका मानना है कि एआई टूल्स की मदद से अब कम लोग कम समय में ज्यादा काम कर सकते हैं। इसी सोच के तहत कंपनी अब अल्ट्राफ्लैट मॉडल अपना रही है, जहां बड़ी इंजीनियरिंग टीमों पर बेहद कम मैनेजर नियुक्त किए जा रहे हैं। मेटा इस साल डेटा सेंटर, कस्टम चिप्स और एआई मॉडल ट्रेनिंग पर रिकॉर्ड निवेश कर रही है। कंपनी का पूंजीगत खर्च 125 से 145 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। बढ़ते खर्च और वेतन संतुलन बनाए रखने के लिए छंटनी को जरूरी कदम माना जा रहा है। वहीं, कंपनी के अंदर कर्मचारियों की गतिविधियों पर एआई आधारित निगरानी भी बढ़ाई गई है। कीस्ट्रोक्स, क्लिक और माउस मूवमेंट तक रिकॉर्ड किए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों का मनोबल गिरा है। मेटा की यह रणनीति आने वाले समय में टेक इंडस्ट्री के कार्य ढांचे को पूरी तरह बदल सकती है।

दादाजी धाम मंदिर में हुई दीप महाआरती

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर पटेल नगर में ज्येष्ठ मास के द्वितीय बड़ा मंगल पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, विशेष पूजा-अर्चना एवं भव्य दीप महाआरती का आयोजन किया गया। पंडित राजेन्द्र पलिया द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन कराया गया, जिसमें ट्रस्ट अध्यक्ष शिवरतन नामदेव, मंदिर समिति एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। भगवान श्री हनुमान जी को नवीन वस्त्र, चोला एवं श्रीफल अर्पित किए गए। भक्तों द्वारा मिट्टी के दीपक प्रज्वलित कर महाआरती की गई, जिससे मंदिर परिसर भक्तिरस एवं दिव्य प्रकाश से आलोकित हो उठा। महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए गए।

जेआईटीओ नवकार क्राफ्ट प्रतियोगिता में भोपाल की मीनू जैन ने जीता प्रथम पुरस्कार

भोपाल। छ्ञ्ञह द्वारा आयोजित क्राफ्ट नवकार प्रतियोगिता में भोपाल की मीनू जैन ने अपनी अत्यंत एवं भावपूर्ण नवकार क्राफ्ट कृति के माध्यम से प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर भोपाल का नाम बढ़ाया है। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न चैप्टर्स के प्रतिभागियों ने भाग लिया था, जिसमें मीनू जैन की रचनात्मक प्रस्तुति को सर्वोपरि किया गया। उनकी कला कृति में नवकार महामंत्र, जैन सिद्धांत एवं आध्यात्मिक भावनाओं को अत्यंत सुंदर, आकर्षक एवं रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। इस उत्कृष्ट कलाकृति ने सभी निर्णायकों एवं दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। इस अवसर पर कहा गया कला जब श्रद्धा और भक्ति से जुड़ जाती है, तब वह केवल एक रचना नहीं, बल्कि भावों की अभिव्यक्ति बन जाती है। श्रीमती मीनू जैन की इस उपलब्धि पर छ्ञ्ञह ख्नुस्रद्वद्दह्य ख्नुद्वठुद्द एवं भोपाल चैप्टर के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। उनकी मेहनत, समर्पण एवं सृजनात्मकता समाज की अन्य महिलाओं एवं युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रतियोगिता के परिणाम अनुसार पुरस्कार के रूप में 21,000 की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं डिजिटल सम्मान प्रदान किया गया। श्रीमती मीनू जैन ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, गुरुजनों एवं जैन संस्कारों को दिया तथा भविष्य में भी समाज एवं संस्कृति से जुड़े रचनात्मक कार्यों में सक्रिय रहने की बात कही। समस्त जैन समाज एवं भोपालवासियों ने उन्हें इस शानदार उपलब्धि पर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रस्तुत की हैं।

टैक्सटाइल एक्सपोर्ट चैंपियन बनेगा उज्जैन

उज्जैन। उज्जैन अब टैक्सटाइल निर्यात के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की तैयारी कर रहा है। केंद्र सरकार ने 'टैक्सटाइल फॉर ग्लोबल मार्केट' प्रोजेक्ट के तहत उज्जैन को 'चैंपियन डिस्ट्रिक्ट' चुना है। 2030 तक उज्जैन से पांच हजार करोड़ के टैक्सटाइल निर्यात का लक्ष्य हासिल करने के लिए मंगलवार को डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट एक्शन कमेटी की बैठक हुई। इसमें कई बिंदुओं पर विचार किया गया। एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में जिला प्रशासन, उद्योग विभाग, निर्यातकों और टैक्सटाइल कारोबार से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें मौजूदा निर्यात की स्थिति, चैंपियन जिले का दर्जा और 2030 के लक्ष्य को हासिल करने पर विचार किया गया। टारगेट हासिल करने में आने वाली मुख्य चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई और इनसे निपटने के प्लान भी बनाए गए।

बताया प्रजेंटेशन: मीटिंग में पीपीटी प्रेजेंटेशन के जरिए बताया गया कि भारत सरकार 2030 तक देश के टैक्सटाइल निर्यात को 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना चाहती है। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने इसके लिए देशभर में 100 चैंपियन और 100 आकांक्षी जिलों की पहचान की है। उज्जैन को चैंपियन जिला चुना गया है।

क्या हैं चैंपियन और आकांक्षी जिले: केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने चैंपियन और आकांक्षी जिलों के पहचान वहां मौजूद सुविधाओं के आधार पर की है।

1. चैंपियन ~ यह वह जिले हैं, जहां टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज चल रही है यानि यहां बुनियादी इंन्फ्रास्ट्रख्र मौजूद है। इसमें कच्चा माल, श्रमिकों की उपलब्धता, ट्रांसपोर्टेशन, बिजली की उपलब्धता, जलाशय आदि शामिल हैं। उज्जैन इसलिए इस श्रेणी में है कि यहां टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज रन हो रही हैं। इनके लिए कच्चा माल भी उपलब्ध है। पानी, बिजली के साथ ही उज्जैन से ट्रांसपोर्ट की बेहतर सुविधा भी है।

2. आकांक्षी ~ यह वह जिले हैं जहां बुनियादी इंन्फ्रास्ट्रख्र पूरी तरह नहीं है। जैसे कच्चे माल की उपलब्धता है तो श्रमिक नहीं है। बिजली, पानी है तो ट्रांसपोर्ट महंगा है। ईडी राठौर ने उपस्थित जन को बताया कि टैक्सटाइल सेक्टर के लिए विशेष रणनीति तैयार की जा रही है। उद्योग प्रतिनिधियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि यदि सरकार की ओर से आवश्यक बुनियादी सुविधाएं और सहयोग मिलता रहा तो उज्जैन आने वाले वर्षों में देश के प्रमुख टैक्सटाइल निर्यात केंद्रों में शामिल हो सकता है। ईडी ने बताया कि उज्जैन में टैक्सटाइल निर्यात बढ़ाने के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाएगी। हर विभाग और संस्था की जिम्मेदारी तय की जाएगी तथा अगले एक-दो वर्षों में व्यावहारिक रणनीति के साथ काम आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में उज्जैन में बड़े टैक्सटाइल पार्क विकसित करने पर जोर दिया गया। उद्योग प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि मल्टी-स्टोरी इंडस्ट्रियल मॉडल के जरिए एक ही स्थान पर संपूर्ण टेक्सटाइल ईकोसिस्टम तैयार किया जा सकता है, जिससे उत्पादन, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन को गति मिलेगी। राठौड़ ने प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। बैठक में रखे गए आंकड़ों के अनुसार पिछले 11 महीनों में उज्जैन जिले से करीब 2,070 करोड़ का निर्यात हुआ, जिसमें टैक्सटाइल और अपैरल सेक्टर की हिस्सेदारी लगभग 700 करोड़ की रही। यह जिले के कुल निर्यात का करीब 30 प्रतिशत है। वर्ष 2030 तक टैक्सटाइल निर्यात को बढ़ाकर करीब 5 हजार करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उज्जैन से वर्तमान में विस्कोस रेयान स्टेपल फाइबर, अंडरगारमेंट्स, कॉटन टी-शर्ट्स, फेब्रिक्स और कच्चे कपास का निर्यात प्रमुख है। इनमें विस्कोस रेयान स्टेपल फाइबर का निर्यात करीब 372 करोड़ का है। अंडरगारमेंट्स का 139 करोड़, कॉटन टी-शर्ट्स का 70 करोड़, फेब्रिक्स का 24 करोड़ और कच्चे कपास का लगभग 12 करोड़ का निर्यात हो रहा है। बैठक में तय किया गया कि स्थानीय उद्यमियों के लिए विशेषज्ञों के साथ नियमित वर्कशॉप और इंटरैक्शन सेशन आयोजन किए जाएंगे। इसमें अवसरों, उत्पादों, प्रोसीजर, वित्तीय सहायता, सर्टिफिकेशन और निर्यात संबंधी जानकारी एक्सपर्ट्स के द्वारा दी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार, गुणवत्ता सुधार और निर्यात मानकों के बारे में भी बताया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि उत्पादक, निर्यातक और प्रशासन यदि टीम के रूप में काम करेंगे, तभी लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)